दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-3 | अंक - 103 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, शुक्रवार, 4 अप्रैल, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

राहुल ने उठाया एलएसी का मुद्दा, अनुराग ठाकुर ने किया पलटवार, पूछा- चीनी अधिकारियों के साथ सूप पीने वाले लोग कौन थे?

नई दिल्ली, एजेंसी | ठाकुर ने कहा कि जो लोग भारत और चीन के बारे में बात करते हैं, वे चीनियों के साथ सूप पीते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत की एक इंच भी जमीन चीन के हाथों नहीं गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे मुद्दों का राजनीतिकरण करने से कुछ हासिल नहीं होगा।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र पर कथित अतिक्रमण का मुद्दा उठाए जाने के बाद उन पर हमला बोला। ठाकुर ने कहा कि जो लोग भारत और चीन के बारे में बात करते हैं, वे चीनियों के साथ सूप पीते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत की एक इंच भी जमीन चीन के हाथों नहीं गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे मुद्दों का राजनीतिकरण करने से कुछ हासिल नहीं होगा।

अनुराग ठाकुर का पलटवार - जवाब में अनुराग ठाकुर ने पूछा, 'किसके समय में चीन ने इस क्षेत्र पर कब्ज़ा किया? डोकलाम गतिरोध के दौरान चीनी अधिकारियों के साथ सूप पीने वाले लोग कौन थे? राजीव गांधी फाउंडेशन ने चीनियों से पैसे क्यों लिए?' ठाकुर ने कहा, ''भारतीय सेना ने चीन को प्रभावी ढंग से जवाब दिया और एक इंच भी जमीन नहीं खोई।'' ठाकुर ने कहा, ''इस तरह के मुद्दे पर राजनीति करने से कुछ हासिल नहीं होगा, लेकिन उन्हें (कांग्रेस को) देश की जनता को अतीत की गलतियों के बारे में जवाब देना होगा।''

चीनी नागरिक के साथ रोमांस-सेक्स करना मना है...ट्रंप प्रशासन ने अपने कर्मचारियों के लिए क्या नया नियम बना दिया

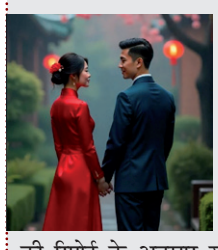

नई दिल्ली, एजेंसी | अमेरिकी सरकार ने चीन में स्थित सरकारी कर्मियों और चीनी नागरिकों के बीच रोमांटिक और यौन संबंधों पर प्रतिबंध लगा दिया है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार यह निर्देश, जो राजनयिकों, परिवार के सदस्यों और सुरक्षा मंजूरी वाले ठेकेदारों पर लागू होता है। इसे जनवरी में अमेरिकी राजदूत निकोलस बर्न्स द्वारा चीन से बाहर निकलने से ठीक पहले लागू किया गया था।

अमेरिका और चीन के बीच इन दिनों तल्खी लगातार बढ़ रही है। अमेरिका के ट्रेड वॉर से चीन हैरान परेशान है। इसी बीच चीन ने अमेरिका को चेतावनी भी दे दी है। बीजिंग ने वाशिंगटन से इन टैरिफ को तुरंत रद्द करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि इससे वैश्विक आर्थिक विकास को खतरा होगा। लेकिन इस सारी धमकियों से बेपरवाह ट्रंप तो बस अपने फैसले लिए जा रहे हैं। लेकिन चीन और अमेरिका के बीच टैरिफ पर तनातनी की खबरों के बीच एक नई खबर ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। अमेरिकी सरकार ने चीन में स्थित सरकारी कर्मियों और चीनी नागरिकों के बीच रोमांटिक और यौन संबंधों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

मुख्यमंत्री ने नई शिक्षा नीति-2020 के अक्षरशः पालन के दिए निर्देश

स्कूली शिक्षा की बेहतरी के लिए किया है पिछले बजट से 3000 करोड़ रुपए अधिक का प्रावधान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

» माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा परिणाम समय पर घोषित हो

» प्रदेश के सभी शासकीय स्कूलों में आधारभूत संरचनाओं की उपलब्धता करें सुनिश्चित

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हर बच्चे की शिक्षा, चिकित्सा और पोषण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश के हर विद्यालय में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहें, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्कूली शिक्षा की बेहतरी के लिए हमने विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 3000 करोड़ रुपए अधिक बजट का प्रावधान किया। हम अपनी शिक्षा व्यवस्था में सभी जरूरी सुधार लाने की दिशा में और अधिक मजबूती से आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रीष्मकाल में प्रत्येक शासकीय विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए बिजली, पंखा, स्वच्छ व शीतल पेयजल और छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्थाएं की जाएं। कोई भी शाला जर्जर हालत में न रहे। सभी विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए एक अच्छा माहौल और प्रोत्साहन देने वाला परिवेश उपलब्ध करायें,

ताकि बच्चे खुशी-खुशी विद्यालय पहुंचे। विभागीय अधिकारी कन्या छात्रावास में महिला अधिकारी की नियुक्ति, स्कूलों में मध्यान्ह भोजन के प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था नई जरूरतों के मुताबिक सुधार लाने के लिए सांदीपनी विद्यालय (सीएम राइज स्कूल) जैसे क्रांतिकारी नवाचार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालय देश में एक आदर्श विद्यालय (मॉडल स्कूल) बनकर उभरें, इसके लिए सभी जरूरी तैयारियां और प्रयास किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को शिक्षा नीति-2020 के अक्षरशः पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में लागू नई शिक्षा नीति के मॉडल का अध्ययन कर कार्य योजना तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाईयों तक ले जाने के लिए हमारी सरकार स्कूलों में आधारभूत संरचनाओं व सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध होकर प्रयासरत है। उन्होंने जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत कार्य में स्थानीय पूर्व सांसद और पूर्व विधायक, समाजसेवी संस्थाओं, पूर्व छात्रों एवं सीएसआर फंड से भी सहयोग लेने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि स्कूलों में आर्थिक या व्यवस्थागत सुधार में मदद करने वालों का सरकार सम्मान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को विधानसभा वार जर्जर स्कूल भवनों की जानकारी एकत्रित करने का निर्देश दिया, ताकि विद्यालयों के अधोसंरचना विकास कार्यों में विधायक निधि से भी सहयोग लिया जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देशित किया कि मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के वार्षिक परिणाम समय पर घोषित किए जायें। बताया गया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा इस वर्ष आगामी मई माह के प्रथम सप्ताह में ही रिजल्ट घोषित करने की तैयारी की जा रही है।

नैतिक शिक्षा देने पर जोर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राथमिक स्कूल स्तर से ही बच्चों को आदर्श पारिवारिक मूल्यों की नैतिक शिक्षा देने के लिए उचित प्रबंध करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विद्या भारती, गायत्री परिवार और आर्ट ऑफ लिविंग जैसी संस्थाओं को प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों से जोड़ा जाए।

स्ट्रैटिजिक डायलॉग स्थापित करने पर चर्चा, टूरिज्म में सहयोग पर बल, भारत और थाईलैंड के सदियों पुराने संबंध को प्रगाढ़ करते पीएम मोदी

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | भारत की एक्ट ईस्ट' पॉलिसी और हमारे इंडो-पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है। आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारियां का रूप देने का निर्णय लिया है। सुरक्षा एजेंसियों के बीच रणनीतिक वार्ता स्थापित करने पर भी चर्चा की। साइबर क्राइम के शिकार भारतीयों को वापस भारत भेजने में थाईलैंड सरकार से मिले सहयोग के लिए हमने थाईलैंड सरकार का आभार प्रकट किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा का हमारे गर्मजोशी स्वागत के लिए आभार व्यक्त करता हूं। 28 मार्च को आए भूकंप में हुए जनहानि के लिए मैं भारत के लोगों

की तरफ से गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं और घायलों की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं थाईलैंड सरकार का आभारी हूं कि मेरी यात्रा के उपलक्ष्य में 18वीं शताब्दी रामायण म्यूरल पेंटिंग पर आधारित एक विशेष डाक टिकट जारी किया गया है। पीएम शिनावात्रा ने अभी मुझे तिपिटक की भेंट की है।

भारत की एक्ट ईस्ट' पॉलिसी और हमारे इंडो-पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है। आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारियां का रूप देने का निर्णय लिया है। सुरक्षा एजेंसियों के बीच रणनीतिक वार्ता स्थापित करने पर भी चर्चा की। साइबर क्राइम के शिकार भारतीयों को वापस भारत भेजने में थाईलैंड सरकार से मिले सहयोग के लिए हमने थाईलैंड सरकार का आभार प्रकट किया। हमने भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा क्षेत्रों में सहयोग पर बल दिया है।

विद्यालय और कक्षा से दूरी नहीं बनायें विद्यार्थी : मंत्री श्री पटेल

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल | पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल "स्कूल चले हम'' अभियान के अंतर्गत तीसरे दिन गुरुवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला केरपानी में शाला उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने बच्चों को प्रेरणादायी बातें बताई और उनका हौसला बढ़ाया। मंत्री श्री पटेल ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर उनके जीवन के लक्ष्य के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि मन में कोई जिज्ञासा बचा कर नहीं रखें। सवाल पूछने की आदत अपने जीवन में शामिल करें। मंत्री श्री पटेल व अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य- पुस्तकों का वितरण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत

अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया व उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी, विद्यार्थी, उनके माता- पिता, अभिभावक और ग्रामीणजन मौजूद थे।

मंत्री श्री पटेल ने सभी नवप्रवेशी बच्चों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि "स्कूल चलें हम'' अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के स्कूल को चुना। पहले यह छुट्टियों का समय हुआ करता था। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि विद्यालय में दर्ज संख्या के अनुसार कई कई विद्यार्थियों के नहीं आने का कारण भी जानकर इस पर विचार करना होगा।

नीति आयोग से आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खंडवा को मिला 3 करोड़ रुपये का पुरस्कार

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में किया उल्लेखनीय सुधार

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम में खंडवा ज़िले ने स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। नीति आयोग ने खंडवा के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की है। नीति आयोग ने बेहतर कार्यों के लिये खंडवा ज़िले को 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की है। इस उपलब्धि के लिये ज़िले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, मातृ एवं शिशु

स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और कुपोषण के खिलाफ व्यापक रणनीति अपनाने के प्रयास प्रमुख रहे हैं।

खंडवा की उपलब्धि मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषयः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल - उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खंडवा की उपलब्धि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है। आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम में इस तरह की सफलता प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि खंडवा प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम के सतत प्रयासों का परिणाम है।

आज छत्तीसगढ़ में अमित शाह का दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरा.. रायपुर और बस्तर में लेंगे अहम बैठक

• रायपुर, एजेंसी

रायपुर | केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 4 और 5 अप्रैल को दो दिन के दौरे पर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। इस दौरान वे रायपुर और दंतेवाड़ा में कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 4 और 5 अप्रैल को दो दिन के दौरे पर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। इस दौरान वे रायपुर और दंतेवाड़ा में कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

4 अप्रैलः रायपुर और दंतेवाड़ा दौरा - रात 9:30 बजे अमित शाह दिल्ली से रायपुर पहुंचेंगे और यहीं रात्रि विश्राम करेंगे। सुबह 10:30 बजे वे रायपुर से दंतेवाड़ा रवाना होंगे। दोपहर 12:30 बजे वे दंतेश्वरी मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगे। इसके बाद सर्किट

हाउस में स्थानीय जनप्रतिनिधियों (जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, नगरीय निकायों के अध्यक्ष और सरपंच) से मुलाकात और भोजन करेंगे। दोपहर 1:30 से 2:50 बजे तक बस्तर पंडुम कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर 3:00 से 3:30 बजे तक नक्सल ऑपरेशन के कमांडरों से मुलाकात और नाश्ता करेंगे। इसके बाद रायपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

5 अप्रैलः रायपुर में प्रशासनिक बैठक - शाम 5:00 बजे अमित शाह रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से होटल मेफेयर जाएंगे। 5:20 से 7:20 बजे तक सुरक्षा बलों और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे, जिसमें नक्सल विरोधी अभियान की समीक्षा होगी। रात 8:00 बजे वे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

राज्यसभा में जेपी नड्डा ने गिनाई वक्फ बिल की खूबियां, बोले- हम लिप सर्विस नहीं, रियल सर्विस करते हैं

नड्डा ने कहा कि भारत सरकार द्वारा लाए गए इस वक्फ विधेयक को ध्वस्त करने के लिए शोर मचाया जा रहा है। एक जिम्मेदार राजनीतिक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में, मैं इस शोर को रोकता हूँ और इस नैरेटिव का विरोध करता हूँ।

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली| राज्यसभा के नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने वक्फ (संशोधन) विधेयक का बचाव करते हुए कहा कि यह देश के हित में है। उन्होंने कहा कि विपक्ष वक्फ विधेयक को बुलडोज करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि मैं इस विधेयक के समर्थन में खड़ा हूँ और मुझे उम्मीद है कि सदन भी इसका समर्थन करेगा। मुझे उम्मीद है कि उम्मीद (एकीकृत वक्फ प्रबंधन सशक्तीकरण, दक्षता और विकास)

का समर्थन होगा। इस विधेयक का मूल उद्देश्य वक्फ संपत्तियों में सुधार और उचित प्रबंधन लाना है। इस पर बहुत चर्चा हुई है।

नड्डा ने कहा कि भारत सरकार द्वारा लाए गए इस वक्फ विधेयक को ध्वस्त करने के लिए शोर मचाया जा रहा है। एक जिम्मेदार राजनीतिक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में, मैं इस शोर को रोकता हूँ और इस नैरेटिव का विरोध करता हूँ। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में कहा जाता है कि 'जब आपके पास तर्क होते हैं, तो आप तर्कपूर्ण होते हैं और उसी के अनुसार बोलते हैं, और जब आपके पास तर्क नहीं होते, तो आप अपनी आवाज उठाते हैं और सनसनी फैलाने की कोशिश करते हैं।' मैंने देखा कि बहस पटरी से उतर गई और भटक गई। मैंने कल लोकसभा में भी यही देखा।

जेपी नड्डा ने दावा किया कि वक्फ संशोधन बिल देश के हित में है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन बिल से जवाबदेही बनाने की कोशिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने मुस्लिमों को दोयम दर्जे का नागरिक बनाया। उन्होंने दावा किया कि मुख्यधारा में मुस्लिम बहनों को लाने से कांग्रेस ने रोका है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमारी कोशिश सिर्फ नियमों के दायरे में लाना है। उन्होंने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक राष्ट्रहित में है, विपक्ष मुद्दे को भटकाने और गलत विमर्श बनाने की कोशिश कर रहा है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सभी लोकतांत्रिक मानदंडों का पालन कर रही है। आपने (विपक्ष ने) संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग की थी, और हमने इसका गठन किया। 2013 में जब वक्फ बिल के लिए जेपीसी का गठन किया गया था, तब इसमें केवल 13 सदस्य थे। लेकिन मोदी सरकार के तहत गठित जेपीसी में 31 सदस्य हैं। जेपीसी ने 36 बैठकें कीं और प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से इसकी गतिविधियों पर 200 घंटे से अधिक समय व्यतीत किया गया।

उनन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' इस मंत्र को लेकर चले हैं और इसको उन्होंने पूरा किया है। मोदी जी की गरीब कल्याण अन्न योजना से लेकर पीएम आवास योजना, शौचालय... सभी योजनाओं का लाभ हर वर्ग के जरूरतमंदों को मिला है, देश की जनता को मिला है।

वक्फ बिल पर बीजेडी का यू-टर्न! पहले किया विरोध, अब कहा- अपनी मर्जी से वोट कर सकते हैं सांसद

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | पात्रा ने वक्फ संशोधन विधेयक पर अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि हम वक्फ विधेयक के बारे में अल्पसंख्यक समुदायों के विभिन्न वर्गों द्वारा व्यक्त की गई विविध भावनाओं का गहराई से सम्मान करते हैं।

बीजू जनता दल (बीजेडी) के सांसद सस्मित पात्रा ने गुरुवार (3 अप्रैल) को कहा कि हमारी पार्टी ने हमेशा धर्मनिरपेक्षता और समावेशिता के सिद्धांतों को कायम रखा है, तथा सभी समुदायों के अधिकारों को सुनिश्चित किया है। पात्रा ने वक्फ संशोधन विधेयक पर अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि हम वक्फ विधेयक के बारे में अल्पसंख्यक समुदायों के विभिन्न वर्गों द्वारा व्यक्त की गई विविध भावनाओं का गहराई से सम्मान करते हैं। बाद में बीजेडी ने वक्फ

संशोधन विधेयक पर यू-टर्न लेते हुए अपने सांसदों से कहा कि आज राज्यसभा में पार्टी का कोई व्हिप नहीं है।

सस्मित पात्रा ने एक्स पर पोस्ट किया कि बीजू जनता दल ने हमेशा धर्मनिरपेक्षता और समावेशिता के सिद्धांतों को कायम रखा है, तथा सभी समुदायों के अधिकारों को सुनिश्चित किया है। हम वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 के बारे में अल्पसंख्यक समुदायों के विभिन्न वर्गों द्वारा व्यक्त की गई विभिन्न भावनाओं का गहरा सम्मान करते हैं। हमारी पार्टी ने इन विचारों पर सावधानीपूर्वक विचार करते हुए, राज्य सभा में हमारे माननीय सदस्यों को न्याय, सद्भाव और सभी समुदायों के अधिकारों के सर्वोत्तम हित में अपने विवेक का प्रयोग करने की जिम्मेदारी सौंपी है, यदि विधेयक मतदान के लिए आता है। पार्टी का कोई व्हिप नहीं है।

सरकार ने पिछले साल अगस्त में पेश किए गए कानून की जांच करने वाली संयुक्त संसदीय समिति की सिफारिशों को शामिल करने के बाद संशोधित विधेयक पेश किया। विधेयक 1995 के अधिनियम में संशोधन करने और भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रशासन और प्रबंधन में सुधार करने का प्रयास करता है।

एक लाख 25 हजार 631 किसानों से 10 लाख 25 हजार मीट्रिक टन से अधिक हुई गेहूँ खरीदी : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रदेश में अभी तक एक लाख 25 हजार 631 किसानों से 10 लाख 25 हजार 735 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक 1794 करोड़ 82 लाख रूपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है।

जिला उज्जैन में एक लाख 93 हजार 362, सीहोर में एक लाख 61 हजार 737, देवास में 90 हजार 740, शाजापुर में 92 हजार 613, इंदौर में 69 हजार 558, भोपाल में 74 हजार 75, राजगढ़ में 66 हजार 47, मंदसौर 42 हजार 909, आगर मालवा में 40 हजार 550, धार में 33 हजार 249, विदिशा में 54 हजार 474, हरदा में 24 हजार 45, खण्डवा में 16 हजार 654, रतलाम में 19 हजार 743, नीमच में 6362, नर्मदापुरम में 8140, झाबुआ में 5710, रायसेन में 14183, बैतूल में 2431, दमोह में 3557, खरगौन में 565, गुना में 1057, सागर में 1053, नरसिंहपुर में 221, छिंदवाड़ा में 185, अशोकनगर में 119, सिवनी में 1313, सतना में 926, मण्डला में 90, दतिया में 43 और अलीराजपुर में 24, मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है।

इस वर्ष अभी तक न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये 15 लाख 9 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन करवाया है। किसान अब 9 अप्रैल तक पंजीयन करा सकते हैं।

लटक रहा ताला, नहीं हुआ विद्यालय संचालित

शिक्षको के द्वारा बच्चों के भविष्य के साथ किया जा रहा खिलवाड़

• सागर, प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार में शिक्षा का स्तर गिरता हुआ नजर आ रहा है जहां बच्चों को उच्च शिक्षा देने बात की जा रही है तो वही 1 अप्रैल से प्रदेश सरकार द्वारा प्रवेश उत्सव अभियान चलाया जा रहा है

रसेना संकुल स्कूल के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रामनगर के प्राथमिक शाला स्कूल के दो शिक्षको द्वारा जहा देश के मुख्यमंत्री एवं प्रदेश सरकार प्रवेशउत्सव अभियान चला रही है मगर यह शिक्षक सरकार ठेंगा दिखाते हुए नजर आ रहे हैं

देवरी कला। मध्य प्रदेश की सरकार और शिक्षा विभाग भले ही सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा देने की बात करे लेकिन स्कूल में पदस्थ शिक्षक बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं ऐसा ही मामला सागर जिले के देवरी तहसील के रसेना संकुल अंतर्गत सुना पंजरा गाँव रामनगर जो कि आदिवासी टोला है इस विद्यालय में एक शिक्षक और एक शिक्षिका पदस्थ हैं जिसमें शाला प्रभारी रत्नेश तिवारी हैं और अंजली चौरसिया शिक्षिका है वह दोनों अपने मनमर्जी समय पर स्कूल संचालित करते हैं। यहाँ का प्राथमिक विद्यालय के बच्चे दो दिनों से विद्यालय आ रहे हैं, लेकिन विद्यालय नहीं खुल रहा है. इस कारण बच्चे बगैर पढ़ाई किये घर लौट जा रहे हैं. इससे कुछ अभिभावकों में रोष व्याप्त है. कुछ ग्रामीणों ने बताया कि गुरुवार को गांव के कई बच्चे स्कूल गये थे, लेकिन स्कूल नहीं खुलने के बाद बच्चे घर लौट आये. सुबह 12 बजे तक स्कूल में ताला लटक रहा था. बच्चे शिक्षक के आने का इंतजार करते रहे, लेकिन शिक्षक के नहीं आने के बाद निराश होकर घर लौट गये. ग्रामीणों के अनुसार आसपास के सभी स्कूल खुल गये हैं, लेकिन सुना पंजरा के रामनगर आदिवासी टोला प्राथमिक विद्यालय अब भी बंद है.कुछ ग्रामीणों ने नाम ना बताने की शर्त पर बताया कि शिक्षक मनमाना तरीके से स्कूल का संचालन करते हैं। अब देखना यह है कि इन शिक्षक और शिक्षिका पर शिक्षा विभाग के आला अधिकारी द्वारा क्या कार्रवाई करते हैं ।

इनका कहना है कि

मुझे अभी-अभी जानकारी मिली है कि रसेना संकुल के अंतर्गत आने वाली रामनगर प्राथमिक शाला का स्कूल बंद था मेरे द्वारा जन शिक्षक को विशेष रूप से रामनगर प्राथमिक शाला स्कूल का निरीक्षण करने को कहा गया है दोनों शिक्षकों पर कार्रवाई की जाएगी • ब्रह्मानंद बचकैया बीआरसी देवरी

आपके द्वारा मुझे बताया गया कि रामनगर प्राथमिक शाला स्कूल बंद है और जानकारी प्राप्त हुई है कि दिन बुधवार और गुरुवार को स्कूल बंद रहा स्कूल बंद करने का कोई भी आदेश जारी नहीं हुआ है रामनगर प्राथमिक शाला स्कूल में दोनों शिक्षकों का दो दिनों का वेतन काटा जाएगा और नोटिस भी जारी करवाता हूं

• प्रभात लोधी संकुल प्रभारी रसेना देवरी

प्राइवेट स्कूलों की मान्यता में झोल जारी

बिना खेल मैदान एवं अन्य मापदंड नहीं होने पर मान्यता के हकदार बनें

• सागर, प्रतिनिधि

मध्यप्रदेश राज्य अधिकारी कर्मचारी संघ द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्राइवेट स्कूलों की मान्यता का नवीनीकरण (रिन्यू) करवाने स्कूल वाले साम- दाम-दण्ड -भेद करके हर वर्ष की तरह आखिर अपना मुकाम हासिल कर ही लेते हैं उन्हें छोटे से बड़े अधिकारियों को कैसे अपने स्कूल को मान्यता मिलेगी उसे साध कर मान्यता प्राप्त हों जाती है, ये भली भातिँ मालूम है, जबकि यदि प्रदेश में इसकी वास्तविक सूक्ष्म जांच हो तो अनेक अधिकारी इस कारनामे में लिप्त पाए जायेंगे और तो और प्राइवेट स्कूलों की संख्या आधी रह जायेंगी।

मध्यप्रदेश राज्य अधिकारी कर्मचारी संघ के संयोजक दिलीप सिंह ठाकुर के अनुसार जिस तरह से शासन ने फीस एवं पुस्तकें में गम्भीरता से विचार कर कार्यवाही की है जिसका लाभ आज पालक उठा रहे हैं, ठीक इसी तरह से शासन को प्राइवेट स्कूलों की मान्यता का नवीनीकरण (रिन्यू)करते वक्त भी गम्भीरता से करना चाहिए तो ऐसे अनेक स्कूल जो कि तंग गलियों में, छोटे -छोटे कक्ष, ना खेल मैदान ,ना योग्यताधारी शिक्षक,ना रैंप,ना ही पृथक -पृथक शौचालय ना ही नवीन शिक्षा पद्धति के अनुसार अन्य मापदंड फिर भी मान्यता के हकदार, ये तो सरासर नाइंसाफी है,अतः शासन प्रशासन एवं वरिष्ठ अधिकारियों से मांग है कि पुनः प्राइवेट स्कूलों की मान्यता का नवीनीकरण (रिन्यू) करवाने हेतु सूक्ष्म जांच हो जिससे सत्यता सामने आये एवं सही स्कूलों को ही मान्यता प्राप्त हों।

मध्यप्रदेश राज्य अधिकारी कर्मचारी संघ के दिलीप सिंह ठाकुर, भास्कर गुप्ता, विश्वनाथ सिंह, धर्मेंद्र परिहार, आकाश भील, अजब सिंह, सुल्तान सिंह, नितिन तिवारी, आलोक शर्मा, पवन सोयाम, ऋषि पाठक, दुर्गेश खातरकर, शबनम खान, शायदा खान, रेनू बुनकर, प्रेमवती सोयाम, ब्रजवती आर्मो, कल्पना ठाकुर इत्यादि ने शासन -प्रशासन से उचित कार्यवाही की मांग की है।

रिचोड़ा ग्रामपंचायत की वर्षों पुरानी पानी की समस्या होगी दूर- कलेक्टर

भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने दिए अधिकारियों को निर्देश।

• सागर, प्रतिनिधि

महेंद्र पाण्डेय | रिचोड़ा ग्रामपंचायत की वर्षों पुरानी पानी की समस्या दूर की जाएगी। उक्त निर्देश कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने ग्राम के निरीक्षण के दौरान दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री विकास शाहवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक केवी भी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री संदीप जी आर आज सागर विकासखंड की रिचोड़ा ग्राम पंचायत पहुंचे थे जहां उन्होंने ग्राम वासियों से चर्चा की और स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण भी किया। उन्हें ग्राम वासियों ने बताया कि यहां बरसों से पानी की समस्या है। उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जल निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि तीन दिवस के अंदर ही पानी की समस्या दूर करने के लिए कार्य योजना (डीपीआर) तैयार करें और तत्काल पानी उपलब्ध कराने के लिए कार्य प्रारंभ करें। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में एक माह के अंदर पानी की समस्या को दूर किया जाए। उन्होंने ग्रामवासियों से कहा कि आपको शीघ्र ही आपके घर पर ही नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल प्राप्त होगा और पेयजल की समस्या दूर होगी।

कलेक्टर श्री संदीप जी आर भ्रमण के दौरान आंगनवाडी केन्द्र और प्राथमिक शाला पहुँचे जहाँ उन्होंने शिक्षकों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओं से चर्चा की एवं मध्याह्न भोजन वितरण के संबंध में जानकारी ली साथ ही निर्देश दिए कि मेन्यू के अनुसार ही पोषण युक्त भोजन वितरित किया जाए जिसमें रंगीन रोटी, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, मुनगा के फूल, बलियों का उपयोग किया जावे।

गांवों में जल संरक्षण पर संगोष्ठी एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

• सागर, प्रतिनिधि

पराग जैन | रजवांस। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 15 रजवास में जल संरक्षण पर संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशन में हुआ। प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष रहीशराम ठाकुर ने जल बचाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा घर पर महिलाये दैनिक जीवन में जल का दुरप्रयोग करने से बचे साथ ही जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करें। ब्लॉक समन्वयक ज्योति मिश्रा ने बताया कि जल कूपों को रिचार्ज करना जरूरी है। खेतों में डबरी, मेड बंधान और सोखता गड्ढों से बारिश के जल का संरक्षण आज की जरूरत है। नवांकुर संस्था के अध्यक्ष रहीशराम सिंह ने ग्रामीणों को जल संरक्षण का स संकल्प दिलाया। संगोष्ठी में नंदकिशोर, अहिरवार लखन अहिरवार एनएलआरएम एवं राजेश्वरी सिंह, नीलम अहिरवार, मलखान कुशवाहा एवं साथी मौजूद रहे।

बिना बिजली कैसे होंगे स्कूल संचालित

• सागर, प्रतिनिधि

मध्यप्रदेश राज्य अधिकारी कर्मचारी संघ के संयोजक दिलीप सिंह ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आवंटन प्राप्त नहीं होने से स्कूलों की बिजली बिल जमा नहीं करने पर अब बिजली विभाग से स्कूलों कि बकाया राशि जमा नहीं होने पर बिजली काटी जा रही है, जबकि नवीन सत्र 2025-26 प्रारंभ हो गया। नन्हे-मुन्नों बच्चों को बिना बिजली के गर्मी के मौसम में दिक्कत होगी वहीं अब स्कूलों में सभी कार्य ऑनलाइन किये जाते हैं ऐसे में सभी कार्यों में दिक्कत उत्पन्न हो जायेगी।

मध्यप्रदेश राज्य अधिकारी कर्मचारी संघ के दिलीप सिंह ठाकुर ने बताया कि कोई ना कोई अधिकारी बिजली विभाग से बिल भुगतान के लिए वसुली करने या बिजली बिल जमा करवाने आ रहें हैं अन्यथा की स्थिति में अप्रिय स्थिति निर्मित हो जायगी एक -दो स्कूलों में बिजली भुगतान नहीं होने पर स्कूलों की बिजली काट दी गयी।अतः वरिष्ठ सक्षम अधिकारियों से निवेदन है कि शीघ्र -अतिशीघ्र बिजली बंटन जारी करें ताकि शासकीय स्कूलों का अतिशीघ्र बिजली बिल जमा हो सके।

मध्यप्रदेश राज्य अधिकारी कर्मचारी संघ के दिलीप सिंह ठाकुर, भास्कर गुप्ता, विश्वनाथ सिंह, राशिद अली, नितिन तिवारी, आकाश भील, अजब सिंह, ऋषि पाठक, दुर्गेश खातरकर, सुल्तान सिंह, आलोक शर्मा, शबनम खान, कल्पना ठाकुर, प्रेमवती सोयाम, ब्रजवती आर्मो, रेनू बुनकर,धर्मेंद्र परिहार, पवन सोयाम इत्यादि ने शासन -प्रशासन से कार्यवाही की मांग की है।

क्या लंबे समय तक टिक पायेंगे ये ओवरब्रिज या हादसे में जान गंवायेंगे लोगिन

• सागर, प्रतिनिधि

सुरखी - इन दिनों सागर जिले में नेशनल हाइवे पर ओवरब्रिजों का काम चल रहा है ये ओवरब्रिज इसलिए बनाये जाते हैं कि किसी गांव या शहर में अंदर आने जाने के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो लेकिन क्या हो जब ये ओवरब्रिज ही घटना का कारण बन जायें हम बात कर रहे हे सागर नरसिंहपुर रोड नेशनल हाइवे क्रमांक 44 की जहा बिलहरा तिराहा (तेरामील) सुरखी वायपास शराब दुकान के पास गौरझामर के बीच बन रहे ओवरब्रिजों की इन ओवरब्रिजों में पहले से ही टूटी हुई वालों को लगाया जा रहा है और और ये टूटी फूटी न दिखे इसलिए सीमेंट से उनकी दरारे भरकर उनकी मरम्मत की जा रही है अब सवाल यह उठता है है कि जब निर्माण के समय ही टूटी वाले लगाई जा रही है जब उसमे मुरम का भराव होगा उस ब्रिज से होकर भारी से भारी वाहन गुजरेंगें तब क्या यह ओवरब्रिज यह सब झेल सकेगें या हादसे होते रहेंगे, हमारे संवाददाता जब इन ओवरब्रिजों की गुणवत्ता की तस्वीरे लेने लगे तब यह व्यक्ति वहां पर आये और तस्वीरें लेने का कारण पूछने लगे जब संवाददाता ने उनका परिचय पूंछा तो उन्होने अपने आपको उस ओवरब्रिज का काम देख रहे इंजीनियर बताया लेकिन नाम नहीं बताया और कैमरे के सामने बात करने तैयार नहीं हुये आपको बता दें कि इन ओवरब्रिजों में उपयोग होने वाली मुरम भी कानूनी रुप से नहीं खोदी गई यहां वहां सरकारी जमीनों से मुरम खोदकर उसका उपयोग किया गया शुरुआती दौर में पुलिस ने कुछ डंपरों को पकडकर मामला खनिज विभाग को सौप दिया था जहां से उनको भारी जुर्माना भी भरना पडा था लेकिन अब पता नहीं किसका संरक्षण इनको मिल गया जिसके कारण वही पुराने रिवाज पर फिर से बिना किसी डर के काम चालू कर दिया और शासकीय जमीनों से अवैध रुप से बेडधक मुरम खोदकर शासन को करोड़ों रुपये का चूना लगा दिया

एसडीएम खरीदी केंद्रों, लोक सेवा केंद्रों का करें निरीक्षण, समय पर सेवाएं देना करें सुनिश्चित

पटवारियों, तहसीलदारों की लें नियमित बैठक कैंप कोर्ट से हल करें राजस्व संबंधी मामले नियमित बी-वन वाचन कराएं -- कलेक्टर

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में सभी एसडीएम को खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान खरीदी केंद्रों पर कृषक भाइयों की सुविधा हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं हों, यह सुनिश्चित करें। इसी प्रकार लोक सेवा केंद्रों का भी निरीक्षण करें और देखें कि वहां नियम अनुसार तय समय सीमा में आवश्यक सेवाएं दी जा रही हैं।

उन्होंने तहसीलदारों और पटवारियों की नियमित बैठक लेने, गांवों में नियमित बी-वन वाचन करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अगले 15 दिनों में प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें कि उनके क्षेत्र में फौती नामांतरण से संबंधित कोई भी प्रकरण शेष नहीं है। इस विषय की समय सीमा बैठक में भी समीक्षा की जाएगी। इसी प्रकार बंटवारा, सीमांकन सहित अन्य राजस्व मामलों को भी शीघ्र निराकृत करें।

कलेक्टर ने ई-ऑफिस के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि सभी राजस्व अधिकारी डिजिटाइजेशन ऑफ़ रिकार्ड्स की प्रक्रिया अपनाएं। इस संबंध में शासन की गाइडलाइन के अनुसार आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए सभी ई- ऑफिस पर शीघ्र ऑनबोर्ड हों।

कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार अलग-अलग गांवों में कैंप कोर्ट लगाएं।

सागर का अनोखा बैंक, जहां होता है किताबों का लेनदेन, जानिए कैसे बदल सकते हैं

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | सागर शहर के उपनगर मकरोनिया में रहने वाले इंजीनियर डीके सिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस बैंक की शुरुआत की। जिसमें स्कूली बच्चे और अभिभावक कक्षा 1 से 12वीं तक की पुस्तकें जमा कर सकते हैं और प्राप्त भी कर सकते हैं।

बैंक शब्द सामने आते ही आपके मन में ऐसी संस्था की छवि उभरती है, जहां लोग पैसे जमा करते हैं, निकालते हैं या अन्य बैंकिंग कार्य करते हैं। लेकिन, सागर में एक ऐसा बैंक है, जिसके शुरू होने का इंतजार स्कूली बच्चे और उनके अभिभावक करते हैं। इस बैंक में न तो कोई बोर्ड लगा है और न ही कोई बैंक जैसा तामझाम। लेकिन, इस बैंक का काम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस बैंक का नाम है 'बुक बैंक', जिसे सागर के कुछ जागरूक लोगों ने शुरू किया है। इस बैंक से स्कूली बच्चों को मुफ्त में किताबें प्रदान की जाती हैं। बैंक में बच्चे अपनी पिछली कक्षा की पुस्तकें जमा कर सकते हैं और नई कक्षा की पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं।

दरअसल, प्रतिष्ठित विद्यालय में अपने बच्चे को पढ़ाना प्रत्येक माता-पिता का सपना होता है, लेकिन इन विद्यालयों की फीस और वहां चलने वाली पुस्तकें काफी महंगी होती हैं। जब अभिभावक विद्यालयों से पुस्तकें खरीदते हैं, तो इसका सीधा असर उनकी जेब पर पड़ता है। ऐसे में सागर शहर के उपनगर मकरोनिया में रहने वाले इंजीनियर डीके सिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस बैंक की शुरुआत की। जिसमें स्कूली बच्चे और अभिभावक कक्षा 1 से 12वीं तक की पुस्तकें जमा कर सकते हैं और प्राप्त भी कर सकते हैं। यह पुस्तकें वे शहरभर के बच्चों से एकत्र करते हैं और जरूरतमंद विद्यार्थियों को मुफ्त में प्रदान करते हैं। उनका कहना है कि ऐसा करने से उन्हें मानसिक संतोष मिलता है। इस कार्य में उनके मित्र भी सहयोग करते हैं। उनकी कोशिश है कि इस पहल को और अधिक व्यापक बनाया जाए, ताकि अभिभावकों को आर्थिक रूप से राहत मिल सके।

लोगों का समर्थन और पुस्तक दान

बुक बैंक टीम के सदस्य पुष्पेंद्र राजपूत ने कहा कि हर साल लोग हजारों रुपए की किताबें खरीदते हैं और बाद में उन्हें 50-100 रुपए में रद्दी में बेच देते हैं। इसके बजाय अब वे इन पुस्तकों को इस बैंक में दान कर जाते हैं और अगली कक्षा की पुस्तकें यहीं से प्राप्त कर लेते हैं। बुक बैंक की टीम ने अपनी कार में पुस्तकों को रखा हुआ है। जो अभिभावक या बच्चे उनके पास नहीं आ सकते, उन्हें वे घर तक जाकर किताबें पहुंचा देते हैं। इसके लिए उन्होंने एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बना रखा है, जिससे उपलब्ध पुस्तकों की जानकारी लोगों तक आसानी से पहुंच सके।

चलित और नव स्वीकृत जल संरक्षण कार्यों को पूर्ण करें: संभागायुक्त

भोपाल, नप्र। संभागायुक्त संजीव सिंह ने प्रचलित एवं स्वीकृत जल संरक्षण कार्यों को पूर्ण करने,खेत तालाबों, अमृत सरोवरों के निर्माण एवं ऐतिहासिक धार्मिक तालाबों जलस्त्रोतों तथा देवालयों की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पेयजल स्त्रोतों को जिओ टैग कर समेकित रूप से जानकारी संग्रह करने एवं सभी शासकीय विभागों के बिल्डिंग्स में रूफ टॉप रैन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सिंह ने सभी संभागीय अधिकारियों को जिले में सहभागी विभागों द्वारा अभियान हेतु प्रस्तावित गतिविधियों की कार्ययोजना तैयार कर निरंतर समीक्षा करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त संजीव सिंह ने मंगलवार को आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक ली। बैठक में नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती अंजू अरुण कुमार, संयुक्त आयुक्त विनोद यादव, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त सिंह ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग को शहरी क्षेत्रों के बिगड़े बाग बगीचों को चिन्हांकित कर हरित विकास करने, जल संरक्षण में युवाओं की भागीदारी हेतु अमृत मित्र बनाने एवं नदियों में मिलने वाले नालों के शोध की कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त सिंह ने भूजल संवर्धन, नल जल योजनाओं के अंतर्गत पाइप लाइन लीकेज, टपकते नल ओर अपव्यय के निराकरण करने एवं पेयजल स्त्रोतों के पुनर्भरण हेतु रिचार्ज शाफ़्ट संरचना के निर्माण कार्य हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए। संभागायुक्त सिंह ने औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के अधिकारी को औद्योगिक इकाइयों में रूफ टॉप वाटर हार्वेस्टिंग के प्रावधान का पालन करवाने एवं औद्योगिक क्षेत्रों में जल निकासी एवं प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त सिंह ने अधिकारियों को जन अभियान परिषद के साथ समन्वय स्थापित कर जल संचय और संवर्धन के महत्व और संवेदनशीलता का प्रचार-प्रसार कर जनसहभागिता से जल स्त्रोतों की सफाई और संरक्षण के कार्य करने के निर्देश दिए।

उत्साह और उमंग के साथ संस्कार स्कूल में किया हनुमान चलीसा का पाठ

भोपाल, नप्र। दीपमाला पागारानी संस्कार विद्यालय में नए सत्र 2025-26 का प्रारम्भ हनुमान चालीसा पाठ दीपप्रज्जलन और विद्यार्थियों का स्वागत के साथ किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव उपस्थित थे। कार्यक्रम में सचिव बसंत चेलानी ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज सत्र का पहला दिन है, मैं सबसे पहले उन विद्यार्थियों को बधाई देना चाहता हुँ जो आज समय पर और पूरी यूनीफार्म में स्कूल आएँ हैं, इसी तरह हमें रोज समय पर स्कूल आना चाहिए और पूरी यूनीफार्म में आना चाहिए क्योंकि कहते है जिस काम की शुरूआत अच्छी हुई तो समझना चाहिए कि आधा काम हो गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर.के. मिश्रा, प्राधानाचार्या मृदुला गौतम एवं समस्त शिक्षक- शिक्षिकाओं ने भी विद्यार्थियों का स्वागत किया।

विजय नगर विकास समिति ने हिंदू नववर्ष एवं होली मिलन समारोह किया आयोजित

भोपाल, नप्र। विजयनगर विकास समिति द्वारा हिंदू नव वर्ष एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संघ के पूर्व प्रचारक चेतन भार्गव ने हिंदुत्व एवं हिंदू पर्वों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय संस्कृति में त्योहारों की भूमिका और उनके सामाजिक व आध्यात्मिक प्रभाव पर प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर कन्हैयालाल, श्रीमाली, पूर्व पार्षद बलबीर यादव, मनोज वर्मा, गजराज मंडलोई, डॉ रमेश माधव, महेश माधव एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। सभी ने एक दूसरे को होली एवं हिंदू नव वर्ष की बधाई दी। भावना द्वारा नन्हीं मुन्नी बच्चियों के साथ होली पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी। लोकनृत्य और पारंपरिक गीतों की प्रस्तुति ने सभी को मनमोह लिया।

वन क्षेत्र भोजपुर से 2 टाइगर्स को रेस्क्यू कर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजा गया

भोपाल। मुख्य वन संरक्षक भोपाल वृत्त के मार्गदर्शन एवं वन मण्डल अधिकारी ओबेदुल्लागंज के नेतृत्व में परिक्षेत्र चिकलोद के स्टॉफ द्वारा सोमवार को ग्रामवासियों की माँग पर टाइगर्स को पकड़ने के लिये पिंजरे लगाये गये। वन विहार भोपाल एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम, पशु चिकित्सकों एवं स्थानीय प्रशासन और पुलिस के सहयोग से दोनों टाइगर्स का सफल रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू के उपरांत दोनों टाइगर्स का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित ढंग से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजा गया। भोजपुर से लगे हुए वन क्षेत्र बीट भोजपुर में भोजपुर-ईमलिया मार्ग पर दो टाइगर्स का लगातार विचरण विगत एक माह से बना हुआ था। इन टाइगर्स द्वारा 5 मवेशियों का शिकार किया गया था। टाइगर के विचरण के कारण ग्रामीण असुरक्षित महसूस कर रहे थे। टाइगर्स का खेतों में विचरण होने से ग्रामीण फसलें नहीं काट पा रहे थे। खेतों एवं वन क्षेत्र के मध्य से जो रास्ता निकलता है, वह ग्रामीणों का मुख्य मार्ग है, जिससे ग्रामीणों का भोजपुर, मण्डीदीप और बंगरसिया आना-जाना लगा रहता है। कुछ ग्रामीण मण्डीदीप फैक्ट्रियों में नौकरी करने भी जाते हैं। वन विभाग से ग्रामवासी लगातार टाइगर्स के रेस्क्यू की माँग कर रहे थे। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर भी टाइगर के मूवमेंट के संबंध में लिखा था।

बस्तियों का दौरा कर स्वच्छता अभियान में भाग लें पार्टी पदाधिकारी: हितानंद

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में भोपाल जिले की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ के व्हाट्सअप और लाभार्थी प्रमुख 'मन की बात' कार्यक्रम में लोगों को जोड़ें। कार्यकर्ता 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस और 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की तैयारियों में जुट जाएं। मंडल समितियों में महिलाओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस मनाने के लिए विशेष तैयारियां करें और अपने निवास और पार्टी कार्यालय पर पार्टी का ध्वज लगाकर पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाएं। कार्यालय की सजावट कर रंगोली सजाएं तथा मिठाई बांटें। सेल्फी लेकर उसे सोशल मीडिया पर ''हैशटैग बीजेपी फॉर विकसित भारत'' के साथ पोस्ट करें। बैठक को प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी एवं जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति ने भी संबोधित किया। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी ने कहा कि 6 एवं 7 अप्रैल को बूथ स्तर पर और 8-9 अप्रैल को मंडल व विधानसभा स्तर पर भाजपा की चुनावी सफलता, संगठनात्मक विस्तार, भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन एवं प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी जी के साथ विकसित भारत की ओर यात्रा जैसे विषयों पर नए प्राथमिक सदस्यों का सम्मेलन आयोजित करना सुनिश्चित करें। 7 से 12 अप्रैल के बीच जिला पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि व मंडल अध्यक्ष दिन में 8 घंटे बस्ती चलो अभियान के तहत सेवा बस्ती का दौरा कर मंदिर, अस्पताल, स्कूल व गलियों में स्वच्छता अभियान में भाग लें। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के 10 लाभार्थियों से मिलकर उनसे बातचीत करें, आंगनवाड़ी केंद्र, स्कूल, पशु चिकित्सालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व पंचायत कार्यालय का दौरा कर जल संरचनाओं की सफाई में सहभागिता करें। स्थानीय निवासियों की चौपाल का आयोजन तथा अलग-अलग समुदाय के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के घर पहुंचना है। वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ता, मीसा बंदी तथा कारसेवकों का सम्मान करने के साथ बूथ समितियों की बैठक आयोजित करना है।

बाबा साहब की प्रतिमाओं को सफाई कर मनाएं दीपोत्सव: भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पूर्व 13 अप्रैल को उनकी प्रतिमाओं की सफाई करना तथा संध्या के समय दीपोत्सव मनाना है। 14 अप्रैल को बाबा साहब की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ करना है।

सेवा भारती गांधी आश्रम दिव्यांग बालक छात्रावास में दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण संपन्न

भोपाल, नप्र। राष्ट्रीय सेवा भारती के दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण में गुजरात और मध्य भारत के विभिन्न जिलों के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण हुआ। सर्वप्रथम राष्ट्रीय सेवा भारती उपाध्यक्ष तथा राष्ट्रीय किशोरी विकास प्रमुख अमिता जैन, राष्ट्रीय सचिव रामेन्द्र सिंह तथा महानगर अध्यक्ष शिव मंगल सिंह ने दीप प्रज्वलन से शुभारंभ किया। अमिता जैन ने किशोरी विकास आयाम का उद्देश्य समझाया। द्वितीय सत्र में प्रांतीय किशोरी विकास प्रमुख आभा पांडे द्वारा किशोरियों का समग्र विकास करके उनका समाज उपयोगी व्यक्तित्व निर्माण कैसे करें इस पर चर्चात्मक सत्र लिया गया। मीडिया प्रभारी भगवानदास ढालिया ने बताया तत्पश्चात प्रशिक्षण वर्ग में महानगर संयोजिका सुनीता सूर्यवंशी ने योगासन तथा आशालता पाठक ने ध्यान की बारिकियां सिखाईं। अंकिता बैनर्जी, रचना पुरोहित तथा डॉ. शालिनी अग्निहोत्री ने किशोरियों के शारीरिक मानसिक तथा सामाजिक विकास पर सत्र लिए। चतुर्थ सत्र सोशल मीडिया अतुल विश्वकर्मा द्वारा दी गई। पंचम सत्र में महानगर प्रमुख कमलेश सिंह द्वारा किशोरी विकास के नियमित केंद्र बस्तियों में कैसे संचालित होते हैं इस पर प्रकाश डाला गया। समापन सत्र रामेंद्र सिंह द्वारा किशोरियों के प्रकल्प की आवश्यकता क्यों है सेवा भाव से महिलाओं द्वारा इस कार्य को कैसे संचालित किया जाता है इस पर विस्तृत मार्गदर्शन पाकर सभी प्रतिभागी अत्यंत प्रभावित हुए और सभी ने संकल्प लिया कि हम अपने अपने स्थानों पर जाकर ऐसे ही केंद्रों का संचालन करेंगे।

स्कूल चलें हम अभियान के तहत मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों को तिलक और पुष्प-माला पहनाकर शाला प्रवेश करवाया

भोपाल। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने झाबुआ जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय देवझिरी पंडा में स्कूल चलें हम अभियान के तहत बच्चों को तिलक लगाकर और पुष्प-माला पहनाकर शाला प्रवेश करवाया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और हमें उन्हें बेहतर शिक्षा देकर एक सशक्त नागरिक बनाने की जिम्मेदारी उठानी होगी। सुश्री भूरिया ने कहा कि स्कूल चलें हम अभियान से न केवल बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव भी मजबूत हुई है। उन्होंने विद्यालय की दीवारों पर बच्चों के जनरल नॉलेज को बढ़ाने वाले चित्र एवं भारत का नक्शा अंकित करने के निर्देश दिये। मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन किया और व्यवस्थाओं की सराहना की। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीणा ने बच्चों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नियमित अध्ययन और अनुशासन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालय में टॉपर्स की सूची नोटिस-बोर्ड में लगायी जाये, जिससे विद्यार्थी प्रेरित हो सकें। इस अवसर पर कक्षा-1 से 8 तक के विद्यार्थियों को एनसीईआरटी की पाठ्य-पुस्तकें, स्कूल बैग एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गयी।

पंचमुखी हनुमान दुर्गा मंदिर प्रांगण में चल रहा है नो दिवसीय शतचूर्णी महायज्ञ का भव्य आयोजन

भोपाल, । चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर अयोध्या नगर स्थित पंचमुखी हनुमान दुर्गा मंदिर प्रांगण में चल रहे 9 दिवसीय शतचूर्णी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसमें मुख्य यजमान नागिन राजपूत ,रामकुमार पाल ,राज पटेरिया ,अक्षत ,उमेश तिवारी ,शिरोमणि शर्मा ,संजय मुदृल सहित कई श्रद्धालु शामिल हैं पंडित केशव शास्त्री के आचरण में इस यज्ञ को किया जा रहा है 9 दिवसीय चलने वाले इस यज्ञ में अनुराग जी शास्त्री ,पार्थ जी शास्त्री, प्रधान पुजारी जी श्री मोहनलाल जी शर्मा ,सिद्धार्थ जी शर्मा ,अभिनव जी शास्त्री ,दिनेश शास्त्री जी सहित कई भक्तगण विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे

मध्य प्रदेश सरकार 20 साल बाद पीपीपी मॉडल पर चलाएंगी बसें

सुगम परिवहन सेवा को मंजूरी

भोपाल, नप्र। मध्य प्रदेश सरकार 20 वर्ष बाद फिर से परिवहन सेवा की शुरुआत करने जा रही है। इसके लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा को कैबिनेट में मंजूरी मिल गई। ये बसें प्रदेश में शहर से लेकर गांव तक पीपीपी मॉडल पर चलाई जाएंगी।

सरकार बस खरीदने की जगह बस ऑपरेटर्स को इंगेज करके बसों का संचालन करेगी। इसके लिए एक होल्डिंग कंपनी बनाई जाएगी, वही बसों का संचालन और उसका नियंत्रण करेगी। कंपनी के गठन के लिए 101.20 करोड़ की अंशपूंजी के रूप में स्वीकृति दी गई है। जब कंपनी लाभ की स्थिति में आ जाएगी तो कंपनी द्वारा लाभांश राज्य शासन को दिया जाएगा।

गौरतलब है कि भाजपा की बाबूलाल गौर सरकार ने ही वर्ष 2005 में साढ़े चार सौ करोड़ के घाटे में चल रहे राज्य सड़क परिवहन निगम में तालाबंदी की थी, तब से प्रदेश में परिवहन सेवाएं ठप हैं। केवल मुनाफे के मार्ग पर ही निजी बसें चलाई जा रही हैं। नई सेवाएं पहले आदिवासी अंचलों से आरंभ होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा प्रारंभ करने की स्वीकृति दी गई। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि हमने चुनाव के समय घोषणा की थी गरीबों को सुगम ट्रांसपोर्ट उपलब्ध कराएंगे।

इस बार मॉडल बदला है

परिवहन सेवा को पिछली सरकारों ने बंद कर दिया था, हमने परिवहन नीति बनाई है और इस बार मॉडल बदला है। हम पीपीपी मॉडल पर बसें चलवाएंगे। इसके लिए जिला स्तरीय समिति गठित की जाएगी। इसके समन्वयक कलेक्टर रहेंगे। समिति में जिले के सांसद, समस्त विधायकगण, महापौर, अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहेंगे।

यह समिति बसों के संचालन की मॉनिटरिंग, संचालन, साधारण एवं ग्रामीण मार्गों पर बस स्टाप, चार्जिंग स्टेशन के निर्माण संबंधी सुझाव के साथ जिले के बस ऑपरेटर्स के मध्य आवश्यक समन्वय का कार्य करेगी। बस का उपयोग कार्गो सेवा के लिए भी किया जाएगा, नीति में इसका प्रविधान किया जाएगा। राज्य परिवहन निगम की संपत्तियां कंपनी के

आधिपत्य में रहेगी।

बसों पर प्रभावी नियंत्रण सरकार का होगा। यात्रियों एवं बस ऑपरेटर्स के लिए एप और कंपनी की मॉनीटरिंग के लिए एक डैशबोर्ड भी होगा। कंपनी के कार्यालयों में कंट्रोल एवं कमांड सेंटर बनाए जाएंगे। यात्रियों को मोबाइल एप से ई-टिकिट, सुविधा मिलेगी। इससे बसों की ट्रेकिंग, आक्युपेंसी तथा यात्रा प्लानिंग की जा सकेगी। पैसेंजर इन्फोर्मेशन सिस्टम की स्थापना भी बस स्टैंड, यात्री बसों पर रीयल टाइम बेसिस पर की जा सकती है। यह जानकारी मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से सीधे यात्रियों को मोबाइल पर मुहैया कराई जाएगी।

यात्री बसों के संचालन की त्रि-स्तरीय होगी मॉनीटरिंग

प्रदेश में यात्री बसों के संचालन की त्रि-स्तरीय मॉनीटरिंग की जाएगी। इसके लिए प्रदेश मुख्यालय स्तर पर एक राज्यस्तरीय होल्डिंग कंपनी गठित की जाएगी। प्रदेश के सात बड़े संभागों (भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर एवं रीवा) में सात क्षेत्रीय सहायक कंपनियां भी गठित की जाएगी। इसी उद्देश्य से प्रदेश के सभी जिलों में जिला स्तरीय यात्री परिवहन समिति गठित भी की जाएंगी। रीवा एवं ग्वालियर के लिए वर्तमान प्रचलित कंपनी को बंद कर नई क्षेत्रीय कंपनी गठित की जाएगी।

शासकीय कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल में पुस्तकों का हुआ वितरण

भोपाल, नप्र। राजधानी के अन्य स्कूलों की तरह ही संत हिरदाराम नगर के भी सरकारी एवं विभिन्न निजी स्कूलों में मंगलवार को उत्सवी माहौल में शुरूआत हुई। यहां का सबसे पुरान 1956 में बना शासकीय कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल हालाकि अब इसकी स्कूल की छात्र संख्या 2500 से घटकर केवल 350 रह गई है लेकिन पहले दिन यहां छात्राओं में प्रवेश को लेकर काफी उत्साह था। इन सभी छात्राओं का प्राचार्य आरसी वर्मा, उप प्राचार्य गायत्री जायसवाल के अलावा स्कूल के सबसे सक्रिय टीचर जगदीश सोनी, सुनीता तोमर, काजल तिवारी, नेहा ठाकुर ,अशोक सिहं मनीषा पाराशर आदि ने छात्राओं का अभिवादन किया। इस मौके पर शिक्षा विभाग की तरफ से छात्राओं के लिए उपलब्ध पुस्तकों का वितरण किया गया। स्कूल में आयोजित संक्षिप्त समारोह में अभा सिंधी समाज के राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार एवं सिंधी सेन्ट्रल पंचयत के महासचिव सुरेश जसवानी मुख्य अतिथि थे जबकि बैकर्स क्लब के महासचिव गुलाब जेठानी ने अध्यक्षता की। इस मौके पर सुरेश जसवानी ने कहा कि छात्राओं के लिए वर्तमान सरकार ने अनेक सुविधाएं मुहैया कराई हैं उनका लाभ लेकर वे आगे बढ़ें और उच्च पदों पर आसीन हो। सुरेश जसवानी ने बताया कि स्वामी हिरदाराम की इस स्कूल पर विशेष आशीर्वाद रहा है। तत्कालीन प्राचार्य कोशल्या लखानी ने दुकान दुकान जाकर यहां आलीशान हाल के लिए चंदा एकत्रित किया बाद में उसमें संत हिरदाराम साहिब की तरफ से भी राशि का योगदान मिला।

|| संपादकीय ||

मथुरा-काशी से जुड़ी नई मुहिम का आह्वान

हिंदू समूहों का दावा है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट करके उनके ऊपर मस्जिदें बना दीं। इसीलिये विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने 1984 में तीन मंदिरों की बात की थी, जिनमें में अयोध्या में श्रीराम मन्दिर बन चुका है। इसके बाद कई लोगों को लगने लगा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठन इससे संतुष्ट हो चुके हैं और काशी व मथुरा के विषय को जैसे उन्होंने त्याग दिया है या भूला दिया है। लेकिन ऐसा नहीं है, लोकसभा में वक्फ विधेयक के पेश किए जाने से कुछ ही घंटे पहले संघ के सरकार्यवाह एवं महामंत्री दत्तात्रेय होसबाले ने काशी ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े आंदोलनों-कार्यक्रमों में संघ के स्वयंसेवकों को न रोकने की बात कह कर एक नई मुहीम के आह्वान का अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दे दिया है, जिसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। पिछले कुछ समय से इनको लेकर एक ऊहापोह की स्थिति थी, लेकिन संघ के इस मुद्दे पर छाये धुंधलको को हटाते हुए अपने नये बयान से ऊर्जा का संचार किया है। भले ही इससे राजनीति गर्माये, लेकिन हिन्दू आस्था को इससे खुशी मिली है।

संघ की कन्नड़ साप्ताहिक पत्रिका विक्रमा को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने साफ कर दिया कि उस समय यानी 1984 में विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों की बात की थी। इसलिए अगर संघ के स्वयंसेवक इन मंदिरों के लिए काम करना चाहते हैं, तो हम उनको रोकेंगे नहीं। साफ है, इस बयान के बाद इन मथुरा-काशी दोनों स्थलों से जुड़े विवाद और इनके आंदोलनों को एक नई ऊर्जा, इन मन्दिरों के जीर्णोद्धार, स्वतंत्र अस्तित्व हासिल करने में सफलता मिलेगी। इससे एक बार फिर भाजपा की ताकत बढ़ेगी एवं हिन्दुओं को एकजुट करने का वातावरण बनेगा। बिहार में कुछ ही माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और साल 2027 की शुरुआत में ही उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार एवं उत्तर प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में जातिगत गणना और आरक्षण को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें हो रही हैं। इन दोनों चुनावों में काशी और मथुरा बड़ा मुद्दा बने, तो कोई आश्चर्य नहीं है। दोनों मन्दिर बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के दो छोरों पर स्थित हिंदुओं के दो बड़े पवित्र एवं पावन धर्मस्थल हैं। मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर भगवान कृष्ण के जन्मस्थान के रूप में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के रूप में हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्वपूर्ण आस्था-स्थल हैं, जहाँ लोग मोक्ष प्राप्ति के लिए आते हैं। दोनों मंदिर हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और करोड़ो भक्तों को आकर्षित करते हैं, दोनों मंदिर भारतीय संस्कृति और इतिहास का अहम हिस्सा हैं और उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।

काशी में विश्वनाथ और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का पुनरुद्धार केवल भौतिक संरचनाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास नहीं है-यह भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को पुनर्जीवित करने एवं आहत हिन्दू आस्था पर मरहम लगाने का आह्वान है। सनातन धर्म की शाश्वत विरासत के प्रतीक ये मंदिर आक्रमणकारियों के सदियों के हमलों के बावजूद हिंदुओं की दृढ़ता और भक्ति के प्रमाण हैं। इन पवित्र स्थलों को पुनः प्राप्त करना हमारे पूर्वजों के बलिदान का सम्मान करने, हमारी विरासत को संरक्षित करने और हमारी समृद्ध परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू मंदिरों के बारे में सच्चाई सबके सामने है, लेकिन ये मामले अनसुलझे हैं। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के ये स्थल लंबी अदालती लड़ाई के बावजूद अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं।

दत्तात्रेय होसबले का यह साक्षात्कार महत्वपूर्ण होने के साथ दूरगामी सोच से जुड़ा है। हालांकि, होसबले ने अपने इसी इंटरव्यू में देश की सभी मस्जिदों को मुद्दा बनाने की प्रवृत्ति को सामाजिक ताने-बाने के लिए नुकसानदेह बताकर संतुलन साधने की कोशिश की है। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है। भले ही पिछले साल दिसंबर में मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का उन्होंने यह प्रयास किया था। लेकिन काशी और मथुरा भी उसमें शामिल रहे हो, ऐसा कैसे सोचा जा सकता है? होसबले ने इस साक्षात्कार में गौ हत्या, लव जिहाद और धर्मांतरण जैसी चिंताओं को स्वीकार किया। उन्होंने अस्पृश्यता यानी छुआछूत को खत्म करने, युवाओं में संस्कृति के संरक्षण और देशी भाषाओं की सुरक्षा जैसे समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। भाषा नीति पर होसबाले ने त्रिभाषी दृष्टिकोण का समर्थन किया और इसे 95 प्रतिशत भाषाई विवादों का समाधान बताया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनमें शिक्षित लोगों के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच संघ की तरफ से पहले भी कई बयान आते रहे हैं। ये बयान दर्शाते हैं कि संघ भले ही सीधे-सीधे विवाद से खुद को भले ही अलग रखता हो, वैचारिक रूप से वह इनको पूरा समर्थन देता है। संघ का समर्थन देश को अराजक बनाने का कभी नहीं रहा, उसके सामने बड़ा लक्ष्य देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का भी है। बांग्लादेश समेत कई पड़ोसी देशों में भारत-विरोधी शक्तियां नए सिरे से सक्रिय होने लगी हैं, उनसे लड़ने की ताकत एवं रणनीति भी संघ चाहता है। संघ सामंजस्यपूर्ण और संगठित भारत के आदर्श को आकार देने के लिये प्रतिबद्ध है। श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति जैसे आंदोलनों ने भारत के सभी वर्गों और क्षेत्रों को सांस्कृतिक रूप से संगठित किया। राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर सीमा सुरक्षा, शासन में सहभागिता से लेकर ग्रामीण विकास तक, राष्ट्रीय जीवन का कोई भी पहलू संघ के स्वयंसेवकों से अछूता नहीं है। सौ वर्षों की संघ यात्रा हिन्दू एकता, विश्व शांति व समृद्धि के साथ सामंजस्यपूर्ण और एकजुट भारत के भविष्य के संकल्प के साथ-साथ काशी-मथुरा के मुद्दे से भी जुड़ी है। हिंदुओं को बचाने और उन्हें सम्मान और गरिमा के साथ देश सेवा में तत्पर करने के लिये उनकी आस्था एवं अस्तित्व पर लगे घावों को तो भरना ही होगा।

• ललित गर्ग लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वक़्फ़ संशोधन बिल 2025 की लड़ाई,अंजाम तक आई- लोकसभा में अर्ली मॉर्निंग 288/232 से बिल पारित - 3 अप्रैल को राज्यसभा से भी पारित होगा

12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद, वक़्फ़ संशोधन बिल 2025 लोकसभा में पारित

> बिल पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि पूर्ववर्ती यूपीए सरकार ने वक्फ कानून में बदलावों के जरिए इसे अन्य कानूनों से ऊपर कर दिया था, इसलिए इसमें नए संशोधनों की जरूरत पड़ी। गौरतलब है कि लोकसभा में संख्याबल के हिसाब से एनडीए की स्थिति मजबूत है, जिसके पास 294 सांसद हैं, जबकि बिल पास करने के लिए 272 वोटों की जरूरत है।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के लोकतंत्र के मंदिर रूपी संसद व उच्च सदन राज्यसभा में किसी महत्वपूर्ण विधेयक पर बहस कर उसमें संशोधन से लेकर वोटिंग तक पर पूरी प्रक्रिया को भारत सहित पूरे विश्व नें ध्यान से देखा व सुना है, जिसमें महिला आरक्षण विधेयक बिल, जीएसटी बिल, आर्टिकल 370 बिल सहित अनेकों बिलो को हमने लोकसभा के दोनों सदनों से पास होते हमने देखा है। आज यह चर्चा हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि आज अर्ली मॉर्निंग करीब 4 बजे तक मैंनें करीब 16 घंटे लगातार वक़्फ़ (संशोधन) बिल 2025 की पूरी बहस, वोटिंग प्रक्रिया व अमेंडमेंट पर वोटिंग प्रक्रिया पर पर मैं नजर रखी। मैंने लगातार 16 घंटे संचार माध्यमों से जुड़ा रहा, क्योंकि ऐसे विषय पर लाइव देखकर रिपोर्टिंग बनाना मेरी रुचि रही है। मैंने देखा कि विपक्ष व पक्ष के सदस्यों ने ध्रुवीकरण बोलने पर विशेष ध्यान दिया विपक्ष के नेताओं ने ध्रुवीकरण पर आरोप प्रत्यारोप लग रहे थे बहस के दौरान मैंने एक बात देखी कि एक सदस्य वाली पार्टी को भी बोलने का अधिकार दिया गया था, जिसमें चंद्रशेखर, पप्पू यादव, असदुद्दीन ओवैसी भी शामिल थे। ओवैसी साहब ने बिल को फाड़ने की बात तो की,लेकिन बिल को फाड़ नहीं पाए बल्कि दो भागों को स्टेपलर की पिन खोलकर अलग किया। बहस पूरी हो जाने के बाद जेपीसी अध्यक्ष ने उसका जवाब दिया, फिर अंत में अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री ने बहस का जवाब दिया। मैंने महसूस किया कि पक्ष और विपक्ष दोनों ही पूरी तैयारी के साथ बहस में शामिल होने,बहस की प्रक्रिया हो जाने के बाद माननीय सदस्यों द्वारा 100 से अधिक संशोधनों जो दर्ज कराए गए थे, उसमें तीन संशोधन की वोटिंग मशीन से वोटिंग हुई व बाकी 100 से अधिक संशोधनों को ध्वनि मत से जिसमें करीब-करीब विपक्ष के सभी संशोधन खारिज कर दिए गए। विशेष बात यह रही कि मैं पिछले 10-12 सालों में मैंने रात्रि 2-3 बजे तक संसद चलने और विधेयक पारित होने की प्रक्रिया नहीं देखी थी। वक़्फ़ (संशोधन) विधेयक, 2025 रात 1.56 बजे लोकसभा में पारित हुआ। विधेयक पर 1 घंटे 50 मिनट तक वोटिंग चली। विधेयक के समर्थन में 288 वोट पड़े, जबकि विरोध में 232 वोट पड़े। अनेक संशोधन में एक संशोधन पर इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से मतदान के बाद कुल 464 वोट दर्ज किए गए। विधेयक के पक्ष में 273 और विरोध में 191 मत पड़े। शुद्धि के बाद स्पीकर ओम बिरला आधिकारिक आंकड़ों का एलान

करेंगे। लोकसभा संसद सदस्यों द्वारा दिए गए संशोधन में सबसे महत्वपूर्ण संशोधन बोर्ड में शामिल होने वाले 11 गैरमुस्लिम सदस्यों वाला संशोधन 288 के मुकाबले 231 मतों से गिर गया, यानि अब गैरमुस्लिम सदस्य बोर्ड में शामिल होंगे।वक़्फ़ (संशोधन) बिल 2025 आज ही उच्चसदन यांने राज्यसभा में पेश होगा उम्मीद है बहस के बाद इस सदन में भी वक़्त (संशोधन) बिल 2025 पारित हो जाएगा ऐसा मेरा मानना है। चूँकि संसद में 12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद वक़्त संशोधन बिल 2025 लोकसभा से पारित हो गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग सेइस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वक़्फ़ संशोधन बिल 2025 की लड़ाई, अंजाम तक आई। लोकसभा में अर्ली मॉर्निंग 232 के मुकाबले 288 मतों से यह बिल पारित किया गया तथा आज 3 अप्रैल को ही राज्यसभा सदन में भी पारित कर दिया जाएगा ऐसी संभावना है।

साथियों बात अगर हम वक्फ बिल पर लोकसभा में बहस के के बाद जेपीसी के अध्यक्ष द्वारा जवाब देने की करें तो उन्होंने कहा यदि बीजेपी चाहती तो इस विधेयक को सीधे संसद में पास करा सकती थी, लेकिन सरकार ने इसे जेपीसी को भेजने का फैसला किया ताकि अन्य दलों के साथ विस्तृत चर्चा हो सके। उन्होंने कहा कि यह सरकार की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता को दिखाता है कि उसने बिना किसी जल्दबाजी के इस विषय पर व्यापक विमर्श किया।उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को फाड़ने की बात को असंवैधानिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि ओवैसी इस बिल को असंवैधानिक बता रहे हैं, लेकिन असली असंवैधानिक हरकत तो उन्होंने खुद की है। पाल ने लोकसभा में कहा कि संसद में इस तरह से विधेयक को फाड़ना लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का अपमान है और यह संसदीय मर्यादाओं के खिलाफ है।

साथियों बात अगर हम 2 अप्रैल 2025 को हुए बिल पर चर्चा का जवाब रात्रि 12 बजेअल्पसंख्यक विभाग के मंत्री द्वारा जवाब देने की करें तो उन्होंने कहा, सरकार ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। इसपर आधी रात तक लगभग 12 घंटे तक चर्चा हुई। अब सदन में वोटिंग हो रही है। पक्ष ने जहां बिल का समर्थन किया तो विपक्ष ने जोरदार हमला बोलते हुए इसे मुस्लिमों को हाशिए पर धकेलने वाला बताया। बिल पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि पूर्ववर्ती यूपीए सरकार ने वक्फ कानून में बदलावों के जरिए इसे अन्य कानूनों से ऊपर कर दिया था, इसलिए इसमें नए संशोधनों की जरूरत पड़ी। गौरतलब है कि लोकसभा में संख्याबल के हिसाब से एनडीए की स्थिति मजबूत है, जिसके पास 294 सांसद हैं, जबकि बिल पास करने के लिए 272 वोटों की जरूरत है।

साथियों बातें कर हम विधेयक का विरोध करने की करें तो, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ बिल पर बहस के दौरान कहा, इस बिल का असली मकसद मुसलमानों को जलील करना है। सरकार हमारे वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा जमाना चाहती है और हमारे धार्मिक अधिकार छीनना चाहती है। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने सदन में कहा कि मैं इस बिल को फाड़ता हूं। उन्होंने इसे अल्पसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों पर सीधा हमला बताया और कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का उल्लंघन करता है। संसद में मदनी वक्फ संशोधन बिल पेश किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जमीयत उलमा-ए- हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असअद मदनी ने कहा कि संसद में पेश किया गया वक्फ से संबंधित यह बिल असंवैधानिक है और मूल अधिकारों का उल्लंघन करता है। सरकार अपनी संख्यात्मक बहुमत के बल पर इसे पारित कराने की कोशिश कर रही है।यह रवैया बहु संख्यकवादी मानसिकता पर आधारित है और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। इस बिल को जबरन संसद में लाया गया है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यकों के अधिकारों को छीनना है, जो किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। जिस तरह से यह बिल तैयार किया गया है और जिस मंशा व रवैये के साथ इसे पेश किया जा रहा है, वह मुसलमानों के खिलाफ एक नकारात्मक रुख को दर्शाता है। उन्होंने कहा,हम पहले ही कह चुके हैं कि पुराने कानून में सुधार की जरूरत थी, लेकिन इसके बजाय सरकार ने ऐसे संशोधन पेश किए हैं, जो समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें और जटिल बना रहे हैं।अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य के रूप में, मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि यह बिल पूरी तरह अस्वीकार्य है और हम इसे पूरी तरह खारिज करते हैं। इसके खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी और हम हर संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से इस अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

साथियों बात अगर हम सत्ताधारी पार्टी द्वारा विधेययक के समर्थन की करें तो, वक्फ बिल पर चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा के रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि वक्फ विधेयक के जरिए बोर्ड में पिछड़े मुसलमानों को जगह दी जा रही है तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर वक्फ की जमीन लूटी जा रही है तो संविधान अधिकार देता है कि उसे रोका जाना चाहिए। उनका कहना था कि वक्फ धार्मिक संस्था नहीं है और अगर इस संस्था को दान दी जाने वाली संपत्ति लूटी जा रही है तो सरकार इस पर चुप नहीं रह सकती है।

साथियों बात अगर हम वक़्फ़ (संशोधन) बिल लोकसभा में पारित होने की करें तो, वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा से पास हो गया। 12 घंटे से ज्यादा समय तक चली मैराथन चर्चा के बाद लोकसभा ने वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 पारित कर दिया। इस विधेयक के पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 वोट पड़े। स्पीकर ओम बिरला ने चर्चा पूरी होने के बाद वोटिंग करवाई। इस दौरान बिल के पक्ष में 288 वोट पड़े, वहीं विरोध में 232 वोट पड़े और इस तरह रात 2 बजे वक्फ संशोधन बिल लोकसभा से पास हो गया। इससे पहले सदन में गौरव गोगोई, औवैसी समेत कई सदस्यों की ओर से लाए गए संशोधन खारिज हो गए।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वक़्फ़ संशोधन बिल 2025 की लड़ाई,अंजाम तक आई- लोकसभा में अर्ली मॉर्निंग 288/232 से बिल पारित - 3 अप्रैल को राज्यसभा से भी पारित होगा।12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद,वक़्फ़ संशोधन बिल 2025 लोकसभा में पारित।लोकसभा में लगातार 12 घंटे की बहस सुनने से लेकर अर्ली मॉर्निंग 4 बजे यह रिपोर्ट बनाना मेरे लिए रोमांचित अनुभव रहा।

• लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र (उपरोक्त दिए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं)

सुप्रीम कोर्ट का न्याय

बेशक इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक न्यायमूर्ति का वह फैसला अशांत, आकुल और विक्षुब्ध करने वाला था। उन्होंने दुष्कर्म करने या उसकी कोशिश करने अथवा दुष्कर्म की मंशा की कानूनी व्याख्या की थी। यदि 688 जिला अदालतों में से किसी का फैसला ऐसा होता, तो बहुत चीखा-चिल्ली मचती और विरोध-प्रदर्शन भी होते। यह देश के 27 उच्च न्यायालयों में से एक के न्यायाधीश का फैसला था और करीब 4 महीने तक खूब चिंतन-मनन करने के बाद फैसला सुनाया गया था, लिहाजा सर्वोच्च अदालत को ज्यादा संवेदनहीन और अमानवीय लगा, नतीजतन विवादित हिस्से पर रोक लगा दी गई। जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने फैसला सुनाते हुए कहा था-पीड़िता के निजी अंगों को पकडऩा और पायजामे का नाड़ा तोडऩा दुष्कर्म या दुष्कर्म की कोशिश नहीं मानी जा सकती। इस फैसले पर न्यायविदों, नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बहुत तल्ख प्रतिक्रियाएं जताई थीं। 'वी द वुमेन ऑफ इंडिया' की अर्जी पर सर्वोच्च अदालत को स्वतः संज्ञान लेना पड़ा। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की न्यायिक पीठ ने कहा कि 'यह मामला नाबालिग से दुष्कर्म का है, जो बेहद गंभीर है। खेद है कि फैसला देने वाले जज के खिलाफ कठोर शब्दों का प्रयोग करना पड़ रहा है। यह फैसला जज का असंवेदनशील और अमानवीय नजरिया दिखाता है, लिहाजा इस पर रोक जरूरी है।'

केंद्र के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने भी पीठ के फैसले से सहमति जताई। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म की तैयारी थी, दुष्कर्म नहीं किया गया, जज के फैसले में ऐसा कहा गया है। यह बेहद गंभीर टिप्पणी है। जस्टिस गवई ने यह भी कहा था कि पीड़िता की मां की याचिका भी टैग की जाए। अदालत ने केंद्र, उप्र सरकार और पक्षकारों को नोटिस भेज कर जवाब मांगा है। बहरहाल सवाल है कि 'दुष्कर्म' का भाव क्या होता है? आरोपितों ने उस नाबालिग लडक़ी के निजी अंगों को क्यों पकड़ा था? पायजामे का नाड़ा क्यों तोड़ा या खोला था? और उस लडक़ी को पुलिया के नीचे क्यों ले जाना चाहते थे? इन सभी हरकतों में दुष्कर्म की नीयत अथवा मंशा साफ थी, लिहाजा एक आम आदमी के तौर पर हम इसे दुष्कर्म ही मानेंगे। आमतौर पर फैसले के ऐसे चरण में सर्वोच्च अदालत हस्तक्षेप नहीं करती और न ही रोक लगाती, लेकिन न्याय के नाम पर यह अनैतिक था और न्यायिक सिद्धांतों से परे था, लिहाजा विवादित हिस्से पर रोक लगानी पड़ी। वो तो लडक़ी जोर से चीखती रही, लिहाजा कुछ लोग उसे बचाने को वहां आ गए और आरोपित वहां से भाग गए, नतीजतन लडक़ी दुष्कर्म के दंश से बच गई। अलबत्ता दुष्कर्म हो सकता था। वर्ष 2021 में सर्वोच्च अदालत ने आरोपित पैतृक और स्त्री-द्वेषी रवैये के खिलाफ एक व्यापक चेकलिस्ट जारी की थी। खासकर न्यायिक फैसलों के संदर्भ में यह किया गया था, लेकिन अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। निचली अदालतों में स्थितियां काफी खराब हैं।

टेक्नोलॉजी

व्हाट्सएप में ब्लू टिक कैसे होगा ऑफ? तीन सिंपल स्टेप्स में जानें पूरा प्रोसेस

व्हाट्सएप चलाते वक्त लोग अपनी चैट्स के साथ ही कई बातों को प्राइवेट रखना चाहते हैं. कुछ यूजर्स दूसरे लोगों को ये भी नहीं बताना चाहते कि उन्होंने मैसेज पढ़ा है या नहीं.

व्हाट्सएप एक मैसेजिंग प्लेटफॉर्म है. प्लेस्टोर पर मौजूद डाटा के मुताबिक, दुनियाभर से 10 अरब से ज्यादा फोन में व्हाट्सएप मैसेंजर डाउनलोड हो चुका है. लेकिन व्हाट्सएप इस्तेमाल करते हुए कुछ लोग अपनी प्राइवेसी को लेकर काफी चिंता में रहते हैं. वहीं कुछ लोग ये भी चाहते हैं कि लोगों को ये न पता चले कि कब वो ऑनलाइन हैं और कब ऑफलाइन. इसके साथ ही लोग ब्लू टिक भी ऑफ रखना चाहते हैं, जिससे किसी दूसरे व्यक्ति को ये न पता चले कि उनका मैसेज पढ़ा गया है या नहीं.

WhatsApp पर ब्लू टिक कैसे होगा ऑफ? - व्हाट्सएप पर ब्लू टिक ऑफ करने का प्रोसेस काफी सिंपल है. केवल तीन सिंपल स्टेप्स से ही इस मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर आप ब्लू टिक ऑफ कर सकते हैं. व्हाट्सएप पर मैसेज भेजने के बाद एक टिक का मतलब होता है कि मैसेज आपकी तरफ से चला गया. डबल टिक होने का मतलब होता है कि मैसेज दूसरे व्यक्ति के पास पहुंच गया. वहीं ब्लू टिक होने का मतलब होता है कि आपका भेजा गया मैसेज पढ़ लिया गया है. आइए जानते हैं कि व्हाट्सएप पर ब्लू टिक कैसे ऑफ कर सकते हैं.

व्हाट्सएप पर ब्लू टिक ऑफ करने के लिए सबसे पहले एप की सेटिंग्स में जाएं.

सेटिंग्स में जाने के बाद प्राइवेसी पर क्लिक करें.

इस ऑप्शन में जाने के बाद आपको Read Receipts पर क्लिक करें, जिसके बाद आपके मैसेज का ब्लू टिक ऑफ हो जाएगा.

इसके साथ ही अगर आप ये भी चाहते हैं कि कौन-कौन लोग ये जानें कि आप कब ऑनलाइन हैं और कब ऑफलाइन, तो प्राइवेसी के ऑप्शन में ही सबसे ऊपर लास्ट सीन एंड ऑनलाइन का ऑप्शन आता है. वहां आपको चार ऑप्शन मिलते हैं. इनमें से एक ऑप्शन पर क्लिक करके अपने लास्ट सीन को भी प्राइवेट रख सकते हैं. साथ ही ऑनलाइन एक्टिविटी को भी प्राइवेट कर सकते हैं.

जनरल नॉलेज

वक्फ की जमीनों की तरह किन चीजों को कोर्ट में नहीं किया जा सकता है चैलेंज? जान लीजिए जवाब

वक्फ संशोधन बिल लाने के पीछे सरकार की सही और सटीक मंशा है, लेकिन विपक्ष को यह ठीक नहीं लग रहा है. वक्फ की संपत्ति की तरह एक चीज और है जिसे कोर्ट में चैलेंज नहीं कर सकते हैं.

वक्फ संशोधन बिल को लेकर सड़क से संसद तक माहौल गर्म है. एक तरफ जहां सत्तारूढ़ पार्टी कह रही है कि इसके जरिए वक्फ की संपत्ति का प्रबंधन सुव्यवस्थित तरीके से होगा, तो वहीं विपक्ष और मुसलमानों का कहना है कि इससे उनको नुकसान होगा और यह मुसलमानों के पक्ष में नहीं है. बीते दिन जब यह बिल लोकसभा में पास हुआ तो इसके पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 वोट डाले गए. वक्फ में संशोधन किए जाने के पीछे कई वजहें हैं, लेकिन इसको लेकर हिंदुस्तान की सियासत में जोरदार जुबानी जंग देखने को मिल रही है.

विपक्ष ने सरकार पर मढ़े ढेर आरोप - इस बिल को लेकर विपक्षी राजनीतिक दल मोदी सरकार पर तमाम तरह के आरोप मढ़ रहे हैं. उनका कहना है कि यह कानून वक्फ बोर्ड और मुसलमानों के अधिकार छीनने के लिए लाया जा रहा है. लगातार चल रही बहस के बीच एक बात तो सभी जान गए हैं कि आखिर वक्फ क्या है और एक बार कोई संपत्ति वक्फ को दे दी गई तो फिर उस पर से मालिकाना हक हट जाता है. यहां तक कि वक्फ की जमीन को लेकर कोर्ट में चैलेंज भी नहीं किया जा सकता है.

अदालत में चुनौती योग्य नहीं वक्फ की संपत्ति - दरअसल सरकार का कहना है कि 1995 के एक्ट में वक्फ की संपत्तियों के रेग्युलेशन के संबंध में गलतियां हैं. इनमें स्वामित्व को लेकर भी विवाद है और वक्फ भूमि पर अवैध कब्जे के कई मामले शामिल हैं. यही वजह है कि केंद्र सरकार नया कानून लेकर आ रही है. वक्फ की संपत्तियों को लेकर सभी मामलों की सुनवाई वक्फ ट्रिब्युनल बोर्ड करता है और इसके फैसले को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है. वक्फ की संपत्ति की तरह से कुछ और भी है जिसको अदालत में चुनौती नहीं दी सकती है.

किस चीज को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती - वक्फ की जमीन की तरह राज्य नीति के निर्देश सिद्धांतों को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है. राज्य नीतियों के निर्देशन सिद्धांत कानून की अदालत में लागू करने योग्य और बहस योग्य नहीं हैं, क्योंकि वे राज्य के नैतिक कर्तव्य हैं कि एक राज्य को अपने नागरिकों के लाभ के लिए पालन करना चाहिए. इसलिए इनको कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती है.

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के कैलिफोर्निया में ट्रांसजेंडर एथलीटों के महिला खेलों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल खारिज

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया ने ट्रांसजेंडर एथलीटों के महिला खेलों में भाग लेने पर बैन लगाने वाले बिल खारिज कर दिए हैं। इन बिल को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के विधायकों ने पेश किया था। राज्य विधानसभा की आर्ट्स, एंटरटेनमेंट, स्पोर्ट्स और टूरिज्म समिति के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने मंगलवार को रिपब्लिकन विधायकों के दो बिलों को लंबी बहस और चर्चा के बाद खारिज कर दिया। समिति के अध्यक्ष क्रिस वार्ड ने कहा कि ये बिल ट्रांसजेंडर युवाओं के अधिकारों पर बड़े हमले का हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि ये नियम ट्रांस लड़कियों के लिए भी अपमानजनक हो सकते हैं, क्योंकि उन्हें अपने लिंग का प्रमाण देने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

चौथे अमेरिकी सैनिक का शव भी बरामद हुआ

विलनियस, एजेंसी। लिथुआनिया में एक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान लापता हुए चौथे अमेरिकी सैनिक का शव मिल गया है, जिससे एक हफ्ते से चल रहा तलाशी अभियान समाप्त हो गया। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को बताया कि उनके सैन्य वाहन को दलदली क्षेत्र से बाहर निकाला गया, जहां तीन अन्य सैनिकों के शव सोमवार को बरामद किए गए थे। ये सैनिक फर्स्ट आर्म्ड ब्रिगेड के हिस्सा थे और एक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान लापता हो गए थे।

शेख हसीना की पार्टी के 1 लाख से ज्यादा सदस्य भारत भागे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सूचना सलाहकार महफूज आलम ने मंगलवार को दावा किया कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के एक लाख से अधिक सदस्य भारत भाग गए हैं। मीडिया में आलम का यह बयान आया।बांग्लादेशी समाचार पोर्टल बीडीन्यूज24डॉट कॉम के अनुसार, आलम ने यह टिप्पणी यहां ईद के अवसर पर आयोजित एक समारोह में की, जिसमें हसीना के कार्यकाल के दौरान कथित रूप से लापता या मारे गए व्यक्तियों के परिवार शामिल हुए थे।

ट्रम्प प्रशासन में मैट व्हिटेकर नाटो के लिए अमेरिकी राजदूत बने; सीनेट ने नियुक्ति को मंजूरी दी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने मंगलवार देर रात मैट व्हिटेकर को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नाटो में अमेरिकी राजदूत के रूप में पुष्टि कर दी। व्हिटेकर ट्रम्प के पहले कार्यकाल में न्याय विभाग में सेवा दे चुके हैं। उनके पास विदेश नीति या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अनुभव नहीं हैं। सीनेट में उन्हें 52-45 के वोट से मंजूरी मिली। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में व्हिटेकर, अटॉर्नी जनरल जेफ सेशंस के चीफ ऑफ स्टाफ थे।

यूनुस की टिप्पणियों को बताया "भड़काऊ तथा "शर्मनाक

ढाका , एजेंसी।
बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस द्वारा भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर की गई हालिया टिप्पणियों पर मंगलवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और इन्हें ''शर्मनाक तथा ''भड़काऊ करार दिया। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर यूनुस की एक वीडियो क्लिप साझा की। यूनुस इस क्लिप में यह कहते दिखाई देते हैं कि उनका देश महासागर (बंगाल की खाड़ी) का एकमात्र संरक्षक है क्योंकि भारत के पूर्वोत्तर राज्य चारों ओर से जमीन से घिरे हैं और उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है।

उन्होंने कहा कि इससे ''बड़ी संभावनाएं खुलेंगी और चीन को बांग्लादेश में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाना चाहिए। यूनुस ने ये टिप्पणियां कथित तौर पर चीन की अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान कीं। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने मंगलवार को कहा कि यह एक ''बहुत गंभीर मुद्दा है और यह राष्ट्र की ''सुरक्षा से संबंधित है। उन्होंने संसद भवन परिसर में पीटीआई की वीडियो सेवा से कहा, ''यह बहुत शर्मनाक टिप्पणी है...वह चीन के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए हमारे देश के क्षेत्रों का उल्लेख कर रहे हैं। मुझे लगता है कि भारत को इस पर कड़ा रुख अपनाना चाहिए। यह देश की सुरक्षा को खतरे में डालता है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यूनुस की टिप्पणी को ''आक्रामक और अत्यधिक निंदनीय बताया तथा 'चिकन्स नेक को दरकिनार करते हुए पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ने वाले वैकल्पिक मार्गों की खोज को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। शर्मा ने 'एक्स पर लिखा, ''बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस द्वारा दिया गया बयान, तथाकथित अंतरिम सरकार द्वारा पूर्वोत्तर भारत के सात बहन राज्यों को जमीन से घिरा बताने और बांग्लादेश को उनकी समुद्री पहुंच का संरक्षक बताया जाना आक्रामक और अत्यधिक निंदनीय है। उन्होंने कहा, ''मोहम्मद यूनुस के ऐसे भड़काऊ बयानों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए, क्योंकि वे गहन रणनीतिक विचारों और दीर्घकालिक एजेंडे को दर्शाते हैं। कांग्रेस नेता खेड़ा ने कहा, ''भारत को घेरने के लिए बांग्लादेश चीन को आमंत्रित कर रहा है। बांग्लादेश सरकार का यह रवैया हमारे पूर्वोत्तर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बहुत खतरनाक है। सरकार मणिपुर की सुध नहीं ले रही है और चीन पहले ही अरुणाचल में गांव बसा चुका है। पिछले सप्ताह बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार ने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात की और राजनीतिक एवं आर्थिक संकट से प्रभावित बांग्लादेश की कमजोर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए चीन से निवेश बढ़ाने की मांग की। भारत के एक पूर्व राजदूत ने इन टिप्पणियों को ''अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया, हालांकि उन्होंने कहा कि नयी दिल्ली को यूनुस के बयानों से घबराना नहीं चाहिए।

आईएईए हमारे परमाणु स्थलों पर मंडरा रहे खतरों पर रुख करे स्पष्ट : ईरानी विदेश मंत्री

तेहरान, एजेंसी।
ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए (अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) से अपने देश की शांतिपूर्ण परमाणु फैसिलिटी पर मंडरा रहे खतरे को लेकर रुख स्पष्ट करने को कहा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने यह बयान मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी से फोन पर बातचीत के दौरान दिया।

उन्होंने यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रविवार को दी गई उस धमकी के संदर्भ में की, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर वाशिंगटन के साथ समझौता नहीं करता, तो वह ईरान के परमाणु स्थलों पर बमबारी कर देंगे। अराघची ने एजेंसी के साथ ईरान की बातचीत और सहयोग की नीति के बारे में बताया और कहा कि जब तक ईरान के खिलाफ खतरे बने रहते हैं, उनका देश अपने परमाणु कार्यक्रम की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगा।

उन्होंने ग्रॉसी को ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम और कूटनीतिक चर्चा से जुड़ी ताजा घटनाओं के बारे में भी जानकारी दी। आईएईए प्रमुख ने कहा कि वह मौजूदा समस्याओं को हल करने के लिए एक अच्छे माहौल को बनाने के लिए दूसरे पक्षों से चर्चा करेंगे। ग्रॉसी ने ईरान यात्रा करने की इच्छा जताई, जिस पर ईरानी विदेश मंत्री ने सहमति जताई।

ट्रंप ने रविवार को एनबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर

बातचीत करने से इनकार करता है, तो वह उस पर जबरदस्त सैन्य हमले करेंगे। उन्होंने कहा, अगर वे समझौता नहीं करते, तो ऐसी बमबारी होगी जिसे उन्होंने कभी नहीं देखा होगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिकी और ईरानी अधिकारी बातचीत कर रहे हैं, लेकिन इस बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। यह टिप्पणी उस पत्र के बाद आई है, जिसके बारे में ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने मार्च के शुरू में संयुक्त अरब अमीरात के जरिए ईरानी नेताओं को एक पत्र भेजा था, जिसमें तेहरान की परमाणु गतिविधियों पर सीधे बातचीत का प्रस्ताव दिया गया था। इसके जवाब में तेहरान ने सीधे बातचीत के प्रस्ताव को ठुकरा दिया, लेकिन अप्रत्यक्ष बातचीत की संभावना को खुला रखा।

पूरी दुनिया में भूटान में चांदी से भी सस्ता बिकता है सोना !

दम्फू, एजेंसी। सोना खरीदना हर किसी का सपना होता है, खासकर महिलाओं के लिए यह सिर्फ आभूषण नहीं बल्कि एक बेहतरीन निवेश भी माना जाता है। लेकिन सोने की बढ़ती कीमतों ने लोगों को सस्ते गोल्ड की तलाश में दूसरे देशों की ओर देखने पर मजबूर कर दिया है। जब भी सस्ते सोने की बात होती है तो आमतौर पर लोगों के मन में पहला नाम दुबई का आता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में सबसे सस्ता सोना दुबई में नहीं बल्कि भूटान में मिलता है? यह सुनकर आपको आश्चर्य हो सकता है, लेकिन यह सच है। अगर आप विदेश से सोना लाने की सोच रहे हैं, तो यह जानना जरूरी है कि भूटान से भारत में अधिकतम कितना सोना ला सकते हैं और इसके नियम क्या हैं। इसके अलावा, अगर कोई व्यक्ति तय सीमा से ज्यादा सोना लाता है तो उसे किन मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। भूटान में सोना सस्ता मिलने का सबसे बड़ा कारण यह है कि वहां सोने पर कोई आयात शुल्क या टैक्स नहीं लगता। इस वजह से वहां सोने की कीमत अन्य देशों की तुलना में काफी कम होती है। इसके अलावा, भूटान और भारत की मुद्रा की कीमत लगभग समान होती है, जिससे भारतीयों को वहां से सोना खरीदना और भी फायदेमंद लगता है। अक्सर लोग मानते हैं कि दुबई में सोना सबसे सस्ता होता है, लेकिन वहां पर भी सोने पर कुछ शुल्क लगते हैं, जबकि भूटान में सोना लगभग टैक्स फ्री होता है। यही कारण है कि अब लोग दुबई के बजाय भूटान से सोना खरीदने की ओर आकर्षित हो रहे हैं। अगर आप सोच रहे हैं कि भूटान जाकर आसानी से सस्ता सोना खरीद सकते हैं, तो यह उतना आसान नहीं है जितना लगता है। भूटान में सोना खरीदने के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं। सबसे पहले तो आपको वहां किसी मान्यता प्राप्त होटल में कम से कम एक रात रुकना होगा। इसके अलावा, सोना खरीदते समय यह भी ध्यान देना जरूरी है कि आप इसे केवल सरकारी मान्यता प्राप्त दुकानों से ही खरीदें।

सितारे वैल किल्मर का निधन, 65 वर्ष की आयु में ली आखिरी सांस

लांस एजिल्स , एजेंसी।
हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता वैल किल्मर का 65 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्हें बैटमैन फॉरएवर, टॉप गन और द डोर्स जैसी चर्चित फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार किल्मर की मौत निमोनिया के कारण हुई जो लंबे समय से उनके स्वास्थ्य पर असर डाल रहा था।

किल्मर ने 2015 से गले के कैंसर का इलाज कराया था और वे इस दौरान कई मुश्किलों से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर ने उनके लाखों प्रशंसकों को शोक में डाल दिया है।

वैल किल्मर का जन्म 1959 में लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में हुआ था। उनका पालन-पोषण उनके पिता यूजीन और मां ग्लेडिस ने किया। किल्मर की शिक्षा भी कई प्रसिद्ध शख्सियतों के साथ हुई थी जिनमें मारे विनिंगहैम जैसे नाम शामिल हैं। किल्मर को जुइलियार्ड स्कूल में एडमिशन मिला था जहां वे सबसे कम उम्र के छात्र थे। उन्होंने वहां स्टेज एक्टिंग में अपना हुनर दिखाया और 1983 में ब्रॉडवे पर द स्लैब बॉयज़ के साथ

अपनी अभिनय यात्रा की शुरुआत की। वैल किल्मर ने 1984 में फिल्म टॉप सीक्रेट! से अपनी फिल्मी यात्रा शुरू की जो एक जासूसी पैरोडी थी। इस फिल्म के बाद उन्होंने टॉप गन में टॉम क्रूज़ के विरोधी आइसमैन का किरदार निभाया जो उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। बाद में उन्होंने इस भूमिका को 2022 में आई टॉप गन- मावरिक में भी दोहराया।

वैल किल्मर की अन्य महत्वपूर्ण फिल्मों में बैटमैन फॉरएवर (1995), द डोर्स (ओलिवर स्टोन की बायोपिक), टॉम्बस्टोन (डॉक्टर हॉलिडे के रूप में), हीट, विलो, द आइलैंड ऑफ़ डॉ. मोरो, द घोस्ट एंड द डार्कनेस, द सेंट और एट फर्स्ट साइट शामिल हैं। उन्होंने 2010 में मैकग्रुबर फिल्म में भी अपनी अभिनय प्रतिभा दिखाई। यह फिल्म सैटरडे नाइट लाइव के एक चरित्र पर आधारित थी जिसमें किल्मर ने विल फोर्ट द्वारा निभाए गए मुख्य पात्र के विरोधी का किरदार निभाया। किल्मर अपने अभिनय के अलावा अपनी कला और म्यूजिक के लिए भी प्रसिद्ध थे। उनका अभिनय हमेशा ही बहुत प्रभावशाली और यादगार रहा। उनके निधन से हॉलीवुड ने एक शानदार अभिनेता को खो दिया है। उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक इशारे पर कर देंगे मटियामेट

वाशिंगटन, एजेंसी। यमन में हौथी विद्रोहियों पर अमेरिकी हवाई हमलों से अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और बढ़ गया है। करीब 50 हजार अमेरिकी सैनिक ईरान को चारों तरफ से घेर रहे हैं, जो डोनाल्ड ट्रंप का इशारा मिलते ही इस्लामिक देश ईरान की ईंट से ईंट बजाने के लिए तैयार हैं। इसका खुलासा खुद ईरान ने किया है। इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्डस कोर (आईआरजीसी) के एक उच्चस्तरीय कमांडर ने सोमवार, 31 मार्च को चेतावनी दी कि ईरानी क्षेत्र में अमेरिकी सेना एक शीशे के घर में बैठी है और उन्हें दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकना चाहिए। यानी ईरान के इलाके में अमेरिकी सेनाएं खुला निशाना हैं और उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे अपने निशाने पर हों। आईआरजीसी एयरोस्पेस डिवीजन कमांडर ब्रिगेडियर जनरल आमिर अली हाजीजादेह ने ईद-उल-फितर समारोह के दौरान अमेरिका को सीधे तौर पर खुली चेतावनी दी। ईरान ने कहा कि अगर अमेरिका ने उसकी धरती पर

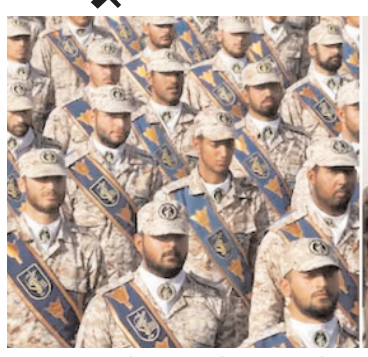

हमला किया तो वह मुंहतोड़ जवाब देगा। आपको याद दिला दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहले ही ईरान को हूथी विद्रोहियों का समर्थन न करने की चेतावनी दी थी। दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिकी धमकियों को किसी भी तरह का समर्थन देने से इनकार करते हुए उन्हें निराधार बताया। जिसके बाद ये मामला और गरमा गया. प्रेस टीवी के अनुसार, हाजीजादेह ने कहा, अमेरिकियों के पास अपने क्षेत्र में, विशेष रूप से ईरान के आसपास 10 सैन्य अड्डे हैं और इन ठिकानों पर 50,000 सैनिक तैनात हैं। इसका सीधा मतलब है कि वे शीशे के घर में बैठे हैं; और जब कोई शीशे के घर में बैठा होता है, तो वह दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकता। आईआरजीसी कमांडर का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान को दी गई धमकी के बाद आया है। ट्रम्प ने कहा था कि यदि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर नया समझौता करने से इनकार करता है, तो उसे बमबारी का सामना करना पड़ेगा। ट्रम्प ने रविवार को एनबीसी न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा। यदि वे समझौता नहीं करेंगे तो बमबारी होगी। उन्होंने ईरान पर द्वितीयक शुल्क लगाने की भी धमकी दी। अब इस मामले पर ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई कहां पीछे रहने वाले थे, उन्होंने ट्रंप की धमकी का उसी के लहजे में जवाब दिया। अल्टीमेटम पर ईरान की राजधानी तेहरान में लोगों को संबोधित करते हुए खामेनेई ने कहा, पूरी दुनिया में लोग पहले से ही इजरायल और अमेरिका की नीतियों से नाराज हैं। लोग जो कुछ भी जानते हैं वह केवल सतही हिस्सा है। अगर लोगों को इन देशों की असली साजिशों का पता चल जाएगा तो वे और भी ज्यादा क्रोधित हो जाएंगे। इसके अलावा अमेरिका को जवाब देते हुए खामेनेई ने कहा, अमेरिका और इजरायल हमेशा से ईरान के खिलाफ दुश्मनी रखते आए हैं। वे हमें धमकाने की कोशिश करते हैं, लेकिन हमें नहीं लगता कि वे हमला करेंगे। हालांकि, अगर वे हमला भी करेंगे तो हम उन्हें कड़ा जवाब देंगे।

चिली राष्ट्रपति बोले- पीएम मोदी वैश्विक राजनीति में अहम खिलाड़ी, वे दुनिया के हर नेता से कर सकते बेबाकी से बात

चिली , एजेंसी।
चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फोंट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी आज के समय में एक प्रमुख भू-राजनीतिक खिलाड़ी हैं और दुनिया के हर नेता से बेबाकी से संवाद कर सकते हैं। राष्ट्रपति बोरिक ने राष्ट्रपति भवन में कहा, प्रधानमंत्री मोदी, आज आपकी वह स्थिति है कि आप दुनिया के हर नेता से बात कर सकते हैं। आप ट्रंप, ज़ेलेंस्की, यूरोपीय संघ और ग्रीस या ईरान के लैटिन अमेरिकी नेताओं का समर्थन कर रहे हैं। यह एक ऐसा गुण है जो आज किसी अन्य नेता के पास नहीं है। इसलिए, आप वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने भारत में मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार जताया और कहा, मैं पहली बार भारत की राजकीय यात्रा पर आया हूं। मैं यहां के शानदार स्वागत के लिए धन्यवाद देता हूं। पिछले 16 वर्षों में चिली से कोई भी भारत नहीं आया, और इस दौरान भारत में काफी बदलाव आया है। भारत पहुंचने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति बोरिक के सम्मान में मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में एक भव्य भोज आयोजित किया। राष्ट्रपति बोरिक ने कहा कि चिली भारत के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। चिली एक ऐसा देश है जो दुनिया से जुड़ा हुआ है, और अब हम भारत के साथ अपने रिश्ते को और गहरा करना चाहते हैं। आज, हमने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

उन्होंने भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी और आपसी सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। हम किसी एक देश पर निर्भर नहीं हैं। हमारे चीन, अमेरिका, यूरोपीय संघ, लैटिन अमेरिका, जापान, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया सहित एशिया-प्रशांत क्षेत्र के कई देशों से संबंध हैं। अब हम भारत के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करना चाहते हैं और इसके लिए हमने आज कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने यह भी कहा, प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में हमारी बैठक के दौरान, हमने सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अंटार्कटिका अनुसंधान जैसे अहम मुद्दों पर कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। चिली दुनिया के लिए अंटार्कटिक महाद्वीप का प्रवेश द्वार है।

ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के लिए ट्रंप ने सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डैन केन को चुना

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी वायु सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डैन केन को ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के लिए नामित किया है। मंगलवार को सीनेट में उनसे कई सवाल पूछे गए। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह किसी भी राजनीतिक दबाव में नहीं आएंगे और जो सही होगा, वही करेंगे। उनसे पूछा गया कि अगर सेना को अवैध या गलत आदेश दिया गया, तो वे क्या करेंगे? इस पर उन्होंने कहा कि वह गलत बात का विरोध करेंगे और कानून के हिसाब से ही काम करेंगे। ट्रंप ने पहले जनरल सीक्यू ब्राउन को इस पद से हटा दिया था, क्योंकि उन पर आरोप था कि वे जाति और समाज के अन्य मुद्दों पर ज्यादा ध्यान दे रहे थे। इस कारण, कई लोगों को चिंता हुई कि ट्रंप सेना को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। अब संसद की समिति यह तय करेगी कि केन को ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ बनाया जाए या नहीं।

ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध में सांसद ने रिकॉर्ड तोड़ 24 घंटे 20 मिनट तक दिया भाषण

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी।
अमेरिकी सांसद कोरी बुकर ने मंगलवार को सीनेट के इतिहास में सबसे लंबा भाषण देकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया। न्यू जर्सी से डेमोक्रेटिक सीनेटर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध जताते हुए 24 घंटे और 20 मिनट तक लगातार बोलकर 1957 में सीनेटर स्ट्रॉम थरमंड द्वारा स्थापित पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। थरमंड ने उस समय सिविल राइट्स एक्ट के खिलाफ 24 घंटे 18 मिनट तक भाषण दिया था।

बुकर ने सोमवार शाम 7 बजे (स्थानीय समय) सीनेट के मंच पर अपनी बात शुरू की और मंगलवार रात 8:05 बजे तक लगातार बोलते रहे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य संयुक्त राज्य सीनेट के सामान्य कामकाज को तब तक बाधित करना है, जब तक मैं शारीरिक रूप से सक्षम हूं। अपने भाषण की शुरुआत में उन्होंने जोर देकर कहा, मैं आज रात इसलिए खड़ा हूं क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा देश संकट में है। कोरी बुकर का यह भाषण तकनीकी रूप से एक फिलिबस्टर नहीं था, यानी यह किसी खास विधेयक

को रोकने के लिए नहीं था। इसके बजाय, यह ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ एक व्यापक विरोध था। बुकर ने अपने भाषण में ट्रंप प्रशासन पर अमेरिकियों की सुरक्षा, वित्तीय स्थिरता और लोकतंत्र की मूलभूत नींव को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पिछले 71 दिनों में, संयुक्त राज्य के राष्ट्रपति ने अमेरिकियों पर इतना नुकसान पहुंचाया है कि ये सामान्य समय नहीं हैं, और इन्हें सीनेट में सामान्य रूप से नहीं लिया जाना चाहिए।

बुकर ने अपने भाषण में कई मुद्दों को उठाया, जिसमें मेडिकेड और सोशल सिक्योरिटी में कटौती की आशंका, शिक्षा विभाग पर हमला, और ट्रंप की विदेश नीति शामिल थी। उन्होंने अपने मतदाताओं के पत्र पढ़े, जिनमें लोगों ने ट्रंप की नीतियों से होने वाली परेशानियों का जिक्र किया था। इसके अलावा, उन्होंने सिविल राइट्स आंदोलन के प्रतीक जॉन लुईस का बार-बार उल्लेख किया और उनके अच्छे संकट के विचार को अपनाने की बात कही। इस मैराथन भाषण के दौरान, कई डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने बुकर का समर्थन किया। सीनेट अल्पसंख्यक नेता चक शूमर सहित कई सीनेटर समय-समय पर उनके साथ मंच पर आए और सवाल पूछकर उन्हें बोलने से छोटे-छोटे ब्रेक दिए। शूमर ने रिकॉर्ड टूटने के बाद कहा, क्या आपको पता है कि आपने अभी रिकॉर्ड तोड़ा है? क्या आपको पता है कि यह समूह आप पर कितना गर्व करता है? क्या आपको पता है कि अमेरिका आप पर कितना गर्व करता है? बुकर ने अपने भाषण में स्ट्रॉम थरमंड के रिकॉर्ड का जिक्र करते हुए कहा, मैं यहां उनके भाषण की वजह से नहीं, बल्कि उनके भाषण के बावजूद हूं। मैं यहां इसलिए हूं क्योंकि वे जितने शक्तिशाली थे, लोग उनसे ज्यादा शक्तिशाली थे। यह बयान सिविल राइट्स के संघर्ष और प्रगति की उनकी व्याख्या को दर्शाता है।

सीनेट के नियमों के अनुसार, भाषण देने वाले सीनेटर को लगातार खड़े रहना होता है और यदि वे बैठते हैं या मंच छोड़ते हैं, तो वे फ्लोर पर नियंत्रण खो देते हैं। बुकर ने पूरे 25 घंटे और 4 मिनट तक खड़े रहकर और बिना बाथरूम ब्रेक लिए यह चुनौती पूरी की। उन्होंने केवल दो गिलास पानी और अपने नोट्स के सहारे यह उपलब्धि हासिल की। उनके सहयोगी सीनेटर क्रिस मर्फी ने बताया कि बुकर ने अपनी कुर्सी भी हटवा दी थी ताकि बैठने का प्रलोभन न रहे। बुकर के इस भाषण को सोशल मीडिया पर व्यापक समर्थन मिला। उनके टिकटॉक लाइवस्ट्रीम को 280 मिलियन लाइक्स मिले, और यूट्यूब पर उनके भाषण को देखने वालों की संख्या लाखों में पहुंच गई। डेमोक्रेटिक पार्टी, जो वर्तमान में व्हाइट हाउस, सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में अल्पमत में है, ने इसे ट्रम्प के खिलाफ प्रतिरोध का प्रतीक माना। हालांकि, व्हाइट हाउस के प्रवक्ता हैरिसन फील्ड्स ने इसे वर्चु सिग्नलिंग करार देते हुए खारिज कर दिया।

सनराइजर्स हैदराबाद की आईपीएल में सबसे बड़ी हार, केकेआर ने 80 रनों से जीता मैच; वेंकटेश अय्यर के बाद वैभव-चक्रवर्ती चमके

केकेआर की दूसरी जीत, हैदराबाद ने लगाई हार की हैट्रिक

कोलकाता, एजेंसी | कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 80 रनों से हरा दिया है. वेंकटेश अय्यर और वैभव अरोड़ा केकेआर की जीत के हीरो बने.

कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 80 रनों से हरा दिया है. यह IPL 2025 में कोलकाता की दूसरी जीत है. ईडन गार्डन्स में खेले गए इस मैच में कोलकाता ने पहले खेलते हुए 200 रन बनाए थे, जवाब में SRH की टीम केवल 120 रन ही बना पाई है.

दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद को लगातार तीसरी हार झेलनी पड़ी है.

कोलकाता की जीत में सबसे बड़ा योगदान वेंकटेश अय्यर और वैभव अरोड़ा का रहा.

सनराइजर्स हैदराबाद को 201 रनों का लक्ष्य मिला था. बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद टीम की शुरुआत बेहद खराब रही. टॉप ऑर्डर एक बार फिर फिसड्डी साबित हुआ. 9 रनों के स्कोर तक ट्रेविस हेड अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और ट्रेविस हेड आउट हो चुके थे. एक समय SRH के लिए 100 रन तक पहुंच पाना भी मुश्किल था, लेकिन हेनरिक क्लासेन ने 33 रन और कामिंदु मेंडिस ने 27 रन की पारी खेल जैसे-तैसे टीम को 100 के पार पहुंचाया.

निशानेबाजी विश्व कप: पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में वरूण पांचवें, रविंद्र छठे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत के वरुण तोमर और रविंदर सिंह बृहस्पतिवार को यहां सत्र के पहले अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहे। दोनों ने क्वालीफिकेशन में 580 के समान स्कोर के साथ सातवें और आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। रविंदर 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में अधिक निशाने लगाने के कारण एक स्थान आगे रहे। हालांकि दोनों, विशेषकर रविंदर आठ पुरुषों के 24 शॉट के फाइनल के शुरुआती चरण में पदक की होड़ में रहने के बाद क्रमशः 16वें और 18वें शॉट के बाद बाहर हो गए। स्पर्धा में हिस्सा ले रहे तीसरे भारतीय सौरभ चौधरी 577 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में 16वें स्थान पर रहे। स्कीट प्रतियोगिताएं भी बृहस्पतिवार को शुरू हुई जिसमें क्वालीफाइंग के शुरुआती दो दौर में से प्रत्येक में 25-25 निशाने लगाने को मिले। महिलाओं की स्कीट में भारत की रेजा ढिल्लों ने 25 में से 25 निशाने लगाकर शानदार शुरुआत की और वह सबसे आगे चल रही हैं। शुक्रवार को दो फाइनल होने हैं जिसमें पुरुषों और महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन्स (3पी) के पदक तय किए जाएंगे। दोनों स्पर्धाओं में भारत के तीन-तीन निशानेबाज चुनौती पेश करेंगे। ओलंपियन चैन सिंह, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार पुरुषों की 3पी स्पर्धा में देश के लिए निशाना साधेंगे जबकि ओलंपियन सिफत कौर सामरा और श्रीयांक सदांगी तथा आशी चौकसे महिलाओं की स्पर्धा में भारत को पदक दिलाने की कोशिश करेंगी।

मनु भाकर, सिमरनप्रीत कौर बरार और ईशा सिंह भी महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के पहले प्रिसीजन क्वालिफिकेशन चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

क्या शिखर धवन को मिल गया दूसरा प्यार? सोफी शाइन संग अपने रिलेशन को किया कन्फर्म!

नई दिल्ली एजेंसी | शिखर धवन अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए हैं और एक बार फिर उन्हें प्यार हो गया है। धवन की लव अफेयर के चर्चा काफी समय से चल रहे हैं। उन्हें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान एक मिस्ट्री गर्ल के साथ स्पॉट किया गया था उस दौरान से ही उनके अफेयर के चर्चे चल रहे हैं।

वहीं इन दोनों को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में ग्रुप मैच में भारत के बांग्लादेश के खिलाफ मैच के साथ देखा गया था। इन दोनों की एक-साथ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी, जिसमें महिला को जब करीबी से जानने की कोशिश की गई तो पता चला कि ये सोफी शाइन है जो कि आयरलैंड की हैं। अब धवन ने अपने रिलेशन पर खुलकर बात कही है।

दरअसल, धवन ने एक शो में कहा कि हां मैं लाइफ में आगे बढ़ गया हूं। मैं ये नहीं कहूंगा कि मैं प्यार के मामले में बदकिस्मत था। बल्कि, मेरी पसंद कम अनुभव से आई थी। लेकिन अब मेरे पास अनुभव है और वह काम आएगा। ये मेरे लिए सीखने का एक मौका था। मैं हमेशा प्यार में रहता हूं।

वहीं जब धवन से पूछा गया कि क्या वह फिर से प्यार करने के लिए तैयार हैं तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि, मैं जानता हूं कि क्रिकेट में बाउंसर से कैसे बचना है और मैं जानता हूं कि अब आप मुझ पर बाउंसर फेंक रहे हैं। लेकिन मैं पकड़ा नहीं जाऊंगा। उन्होंने मैं नाम नहीं लूंगा लेकिन एक खूबसूरत लड़की मेरी गर्लफ्रेंड है। अब आप इसका पता लगा सकते हैं।

जब बस में नहीं कुछ, तो दे दो इस्तीफा, पीसीबी चेयरमैन को पड़ी पूर्व क्रिकेटर से लताड़; खूब सुनाई खरी-खोटी

नई दिल्ली, एजेंसी | पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने अपने ही देश के क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन को लताड़ लगा दी है. उन्होंने यहां तक कि इस्तीफे की मांग कर डाली है.

पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन (PCB Chairman) मोहसिन रजा नकवी को जमकर लताड़ लगाई है. अकमल ने यह तक कह दिया है कि अगर पाक टीम अगले कुछ महीनों में अपने प्रदर्शन को सुधार नहीं पाती है तो नकवी को चेयरमैन पद से इस्तीफा दे देना चाहिए. बता दें कि पाकिस्तान टीम अभी न्यूजीलैंड दौरे पर है, जहां वो टी20 के बाद वनडे सीरीज भी हार चुकी है.

अपने यूट्यूब चैनल पर कामरान अकमल ने PCB चेयरमैन को लताड़ लगाते हुए कहा, 'यह शर्मनाक है. PCB चेयरमैन को यह सोचना चाहिए, वो अगर चीजों को नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए. आप अपनी प्रतिष्ठा पर दाग ना लगने दें. अगर आप इस्तीफा नहीं देना चाहते हैं तो टीम की हालत में सुधार लाने का प्रयास करें.'

न्यूजीलैंड जाकर शर्मसार हुआ पाकिस्तान - पाकिस्तान टीम का न्यूजीलैंड दौरा 16 मार्च से शुरू हुआ था. पहले दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली गई. पूरी टी20 सीरीज में पाकिस्तान सिर्फ एक जीत दर्ज कर पाया, अंततः उसे 1-4 की शर्मनाक हार झेलनी पड़ी. उसके बाद तीन ODI मैचों की सीरीज शुरू हुई, जिसमें मेजबान न्यूजीलैंड 2-0 की अजेय बढ़त कायम कर चुका है.

चैंपियंस ट्रॉफी में भी कटवा ली थी नाक -पाकिस्तान टीम का शर्मसार कर देने वाला प्रदर्शन काफी समय से चला आ रहा है. बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी जैसे सीनियर खिलाड़ी खराब प्रदर्शन के कारण निरंतर आलोचनाओं में घिरे रहे हैं. टूर्नामेंट का मेजबान होते हुए भी पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ पाया था. यहां तक कि पूरे टूर्नामेंट में उसे एक भी जीत नसीब नहीं हुई थी.

अयोध्या पहुंचकर मुंबई इंडियंस के खिलाड़ियों ने किए रामलला के दर्शन, खिलाड़ियों की पत्नियां भी थीं साथ

नई दिल्ली, एजेंसी | मुंबई इंडियंस का अगला मुकाबला शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। जिसके लिए टीम लखनऊ पहुंच चुकी है। इसी दौरान टीम के कुछ खिलाड़ी गुरुवार को अयोध्या पहुंचे जहां उन्होंने राम लला के दर्शन किए। खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर मंदिर के दर्शन करने के बाद की तस्वीरें शेयर की हैं।

आईपीएल की पांच बार की विजेता टीम मुंबई इंडियंस का अगला मुकाबला शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। जिसके लिए टीम लखनऊ पहुंच चुकी है। इसी दौरान टीम के कुछ खिलाड़ी गुरुवार को अयोध्या पहुंचे जहां उन्होंने राम लला के दर्शन किए। खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर मंदिर के दर्शन करने के बाद की तस्वीरें शेयर की हैं।

मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच आईपीएल में ये चौथा मुकाबला खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए टीम बुधवार को लखनऊ पहुंच गई थी। तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, दीपक चाहर और कर्ण शर्मा जैसे मुंबई इंडियंस के खिलाड़ियों ने शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल 2025 के मुकाबले से पहले अयोध्या राम मंदिर का दौरा किया। उनके साथ सूर्यकुमार की पत्नी देविश शेट्टी और चाहर की पत्नी जया भी थीं। मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी ने एक्स पर खिलाड़ियों और उनके परिवार की तस्वीरें शेयर की है।

सूर्यकुमार यादव ने इंस्टाग्राम पर अपनी पत्नी के साथ की तस्वीर शेयर की। इस दौरान उन्होंने कैप्शन में लिखा कि, जय भगवान राम। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार ने आईपीएल 2025 के तीसरे मैच में मुंबई इडियंस के लिए कप्तानी की थी। इस दौरान टीम को चेन्नई के खिलाफ हार झेलनी पड़ी।

व्यापार

टैरिफ पर डोनाल्ड ट्रंप का फैसला अमेरिका पर ही पड़ा भारी, शेयर बाजार में भारी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी | अमेरिका में गुरुवार को बाजार खुलने के बाद प्रमुख इंडेक्स डॉव 1,116 अंक या 2.64% तक गिर गया। व्यापक सूचकांक एसएंडपी 500 इंडेक्स में 3.24% तक की गिरावट दिखी। बाजार 2022 के मुद्रास्फीति संकट के बाद इंट्राडे में सबसे बड़ी गिरावट की ओर बढ़ गया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ऐतिहासिक टैरिफ घोषणा के बाद गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक भारी बिकवाली के साथ खुले। टैरिफ पर ट्रंप का फैसला अब खुद अमेरिका पर ही भारी पड़ा दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसले से वैश्विक बाजार में भी मंदी का खतरा पैदा हो गया है।

अमेरिका में गुरुवार को बाजार खुलने के बाद प्रमुख इंडेक्स डॉव 1,116 अंक या 2.64% तक गिर गया। व्यापक सूचकांक एसएंडपी 500 इंडेक्स में 3.24% तक की गिरावट दिखी। बाजार 2022 के मुद्रास्फीति संकट के बाद इंट्राडे में सबसे बड़ी गिरावट की ओर बढ़ गया। टेक शेयरों के बोलबाला वाला नैस्डैक में शुरुआती कारोबार

में 4.33% तक की गिरावट दिखी। भारत समेत दुनिया के दूसरे बाजारों में भी बड़ी गिरावट दिखी।

यह महत्वपूर्ण गिरावट ट्रम्प द्वारा अमेरिका में आने वाले लगभग सभी सामानों पर लगाए गए भारी टैरिफ के बाद आई है, जिससे यह आशंका पैदा हो गई है कि नई नीति से व्यापारिक साझेदारों में भारी नाराजगी पैदा हो सकती है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट आ सकती है।

टैरिफ घोषणाओं के बाद निवेशकों ने सुरक्षित-संपत्तियों में पैसा लगाया। बुधवार को सोना 3,160 डॉलर प्रति औंस से ऊपर एक नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। दूसरी ओर, ट्रेजरी यील्ड्स में भारी गिरावट आई। 10 साल की ट्रेजरी यील्ड्स अक्तूबर के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई। सोना गुरुवार सुबह 3,060 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस के ऊपर कारोबार करता दिखा। इसमें इस साल सोने में 19% तक की तेजी आई है। 1986 के बाद से सोने के लिए यह सबसे अच्छी तिमाही रही है।

उधर, जेपी मॉर्गन के विश्लेषकों ने निवेशकों को लिखे एक नोट में कहा है कि यदि ट्रम्प ने बुधवार को घोषित भारी टैरिफ को बरकरार रखा, तो उनकी अभूतपूर्व व्यापार नीतियों के कारण संभवतः 2025 में अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं मंदी की चपेट में आ जाएंगी।

स्टार्टअप महाकुंभ की हुई शुरुआत, 50 करोड़ ग्रांट के लिए ऐसे कर सकेंगे रजिस्टर

नई दिल्ली, एजेंसी | इस स्टार्टअप महाकुंभ के जरिए नए विचारों को प्रस्तुत करने, पूंजी निवेश, वैश्विक स्तर पर जाने और उद्योग जगत के शीर्ष प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ नेटवर्क बनाने का मौका मिलेगा। तीन दिनों के इस आयोजन के दौरान स्टार्टअप महारथी चैलेंज नाम की प्रतियोगिता का आयोजन होगा जिसमें एआई, फिनटेक, हेल्थटेक, एग्रीटेक और डीपटेक जैसे क्षेत्रों में भारत के शुरुआती से लेकर विकास-चरण वाले शीर्ष स्टार्टअप शामिल होंगे।

स्टार्टअप महाकुंभ 2025 की शुरुआत तीन अप्रैल 2025 से हो गई है। इस स्टार्टअप महाकुंभ का आयोजन पांच अप्रैल तक किया जाना है। नई दिल्ली में आयोजित हो रहे स्टार्टअप महाकुंभ में 50 से अधिक देशों के 3,000 से अधिक स्टार्टअप और 1,000 निवेशक हिस्सा लेंगे। ये बेहद खास होने वाला है क्योंकि इतनी बड़ी संख्या में स्टार्टअप और निवेशक एक छत के नीचे होंगे। इस स्टार्टअप महाकुंभ के कुछ मुख्य आकर्षणों में स्टार्टअप महारथी चैलेंज, थीम-आधारित मंडप, मास्टरक्लास, निवेशक गोलमेज सम्मेलन और नेटवर्किंग अवसर शामिल हैं।

इस स्टार्टअप महाकुंभ के जरिए नए विचारों को प्रस्तुत करने, पूंजी निवेश, वैश्विक स्तर पर जाने और उद्योग जगत के शीर्ष प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ नेटवर्क बनाने का मौका मिलेगा। तीन दिनों के इस आयोजन के दौरान स्टार्टअप महारथी चैलेंज नाम की प्रतियोगिता का आयोजन होगा जिसमें एआई, फिनटेक, हेल्थटेक, एग्रीटेक और डीपटेक जैसे क्षेत्रों में भारत के शुरुआती से लेकर विकास-चरण वाले शीर्ष स्टार्टअप शामिल होंगे।

दिल्ली में सोना 200 चढ़कर 94350 रुपए के नए रिकॉर्ड स्तर पर, चांदी 1000 रुपये नरम पड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी | दिल्ली में गुरुवार को सोना 200 रुपये की तेजी के साथ 94,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के नये उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। चांदी की कीमत बुधवार की क्लोजिंग 1,01,500 रुपये प्रति किलोग्राम से 1,000 रुपये गिरकर 1,00,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। आइए जानते हैं, सर्राफा बाजार का पूरा हाल।

आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की लगातार खरीदारी के कारण दिल्ली में गुरुवार को सोना 200 रुपये की तेजी के साथ 94,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के नये उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी है।

बुधवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 94,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर थी। दूसरी ओर, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना लगातार पांचवें दिन बढ़त के साथ 200 रुपए बढ़कर 93,900 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। हालांकि, चांदी की कीमत बुधवार की क्लोजिंग 1,01,500 रुपये प्रति किलोग्राम से 1,000 रुपये गिरकर 1,00,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

इस बीच, एमसीएक्स पर जून डिलीवरी के लिए सोने का वायदा भाव 695 रुपये चढ़कर 91,423 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। बाद में, यह अपनी सारी बढ़त खोकर 848 रुपये की गिरावट के साथ 89,880 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया।

एलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटी व करेंसी के उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक जतिन त्रिवेदी ने कहा, 'पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव से सुबह के सत्र में सोने में शुरुआती तेजी देखी गई, लेकिन जल्द ही मुनाफावसूली शुरू हो गई, क्योंकि कीमतों में टैरिफ प्रभाव का काफी हद तक असर था।'

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हाजिर सोना 43.39 डॉलर या 1.38 प्रतिशत गिरकर 3,089.64 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 60 से अधिक देशों पर टैरिफ लगाने के बाद यह 3,167.71 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया था।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ निर्णय के बाद जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ने से सोना 3,167 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।'

गांधी ने कहा कि शुरुआती बढ़त के बावजूद, सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई से पीछे हट गईं और वर्तमान में व्यापारियों द्वारा मुनाफावसूली के कारण गिरावट पर कारोबार कर रही हैं, जिन्होंने टैरिफ वृद्धि की घोषणा के खिलाफ बचाव के लिए पोजीशन ले रखी थी।

उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि सोने की कीमतों में और सुधार हो सकता है, क्योंकि ट्रम्प द्वारा टैरिफ वृद्धि की घोषणा के बाद जोखिम प्रीमियम कम होना शुरू हो गया है।' एशियाई बाजार में हाजिर चांदी 4.21 प्रतिशत गिरकर 32.44 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। अबांस फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिंतन मेहता के अनुसार, निवेशक ट्रम्प की नई टैरिफ नीतियों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर उनके संभावित प्रभाव का बारीकी से आकलन करेंगे।

NUCFDC शहरी सहकारी बैंकों के लिए जुटाए 242.45 करोड़, RBI के 300 करोड़ के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा आगे

नई दिल्ली, एजेंसी | नेशनल अर्बन को-ऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (NUCFDC) ने पूंजी जुटाने के प्रयास में जबरदस्त सफलता हासिल की है और दूसरे चरण में 124.50 करोड़ जुटा लिए हैं. शहरी सहकारी बैंकों के लिए अम्ब्रेला ऑर्गेनाइजेशन नेशनल अर्बन को-ऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (NUCFDC) ने कुल 242.45 करोड़ की पूंजी जुटाई है. इसी के साथ संगठन भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा निर्धारित 300 करोड़ की पूंजी लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है. पहले चरण में जुटाई इतनी रकम - फंडिंग के इस दौर में NUCFDC ने 95 बैंकों, तीन राज्य फेडरेशनों और नेशनल कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (NCDC) से पूंजी जुटाई. यह फंडिंग का दूसरा चरण रहा, जिसमें 124.50 करोड़ रुपये जुटाए गए. पहले चरण का आयोजन पिछले साल हुआ था. उस दौरान संगठन ने 124 बैंकों, चार राज्य UCB फेडरेशनों और NCDC से 118 करोड़ रुपये जुटाए थे. इसी के साथ, नेशनल अर्बन को-ऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को 17 करोड़ रुपये के पूंजी प्रतिबद्धता प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं. सारी जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद चुकता पूंजी (Paid-up Capital) बढ़कर लगभग 260 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है. संगठन ने छोटे टियर-I और टियर-II बैंकों से 40 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि जुटाने का भी लक्ष्य रखा है.

ट्रंप के जवाबी टैरिफ पर बाजार की सधी प्रतिक्रिया; सेंसेक्स 300 अंक टूटा, निफ्टी में नरमी

नई दिल्ली, एजेंसी | अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत के खिलाफ 27 प्रतिशत के जवाबी टैरिफ के एलान के बाद भारतीय बाजार के सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स 322.08 (0.42%) अंक टूटकर 76,295.36 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एनएसई निफ्टी 82.25 (0.35%) अंकों की गिरावट के साथ 23,250.10 के स्तर पर बंद हुआ। आइए जानते हैं शेयर बाजार का विस्तृत हाल।

अमेरिका की ओर से भारत पर 27% जवाबी टैरिफ लगाने के फैसले पर भारतीय शेयर बाजार के निवेशकों ने गुरुवार को सधी हुई प्रतिक्रिया दी। शुरुआती कारोबार में 800 अंकों तक की गिरावट के बावजूद बेंचमार्क सूचकांक

बहुत हद तक रिकवर कर लाल निशान पर बंद हुए। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स 322.08 (0.42%) अंक टूटकर 76,295.36 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एनएसई निफ्टी 82.25 (0.35%) अंकों की गिरावट के साथ 23,250.10 के स्तर पर बंद हुआ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत सहित दुनिया भर के करीब 60 देशों पर पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा के बाद गुरुवार को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयरों में 10 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। इस कदम से अमेरिका को भारत के निर्यात पर असर पड़ने की आशंका है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन ने अपने एलान में आईटी सेक्टर पर कुछ खास नहीं कहा है।

गुरुवार के कारोबारी सत्र के दौरान बीएसई पर परसिस्टेंट सिस्टम्स का शेयर 9.92 प्रतिशत गिरकर 4,788.20 रुपये पर, कोफोर्ज का शेयर 7.77 प्रतिशत गिरकर 7,157.25 रुपये पर, केपीआईटी टेक्नोलॉजीज का शेयर 7.66 प्रतिशत गिरकर 1,212 रुपये पर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का शेयर 3.98 प्रतिशत गिरकर 3,403.90 रुपये पर और टेक महिंद्रा का शेयर 3.79 प्रतिशत गिरकर 1,369.65 रुपये पर बंद हुआ।

इसके अलावा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 3.71 प्रतिशत गिरकर 1,470.80 रुपये प्रति शेयर पर, एम्फैसिस 4.05 प्रतिशत गिरकर 2,374.30 रुपये पर, इंफोसिस 3.41 प्रतिशत गिरकर 1,497 रुपये पर और विप्रो 2.75 प्रतिशत गिरकर 256.40 रुपये पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एक्सचेंज पर साइएंट 2.67 फीसदी गिरकर 1217.25 रुपये और मास्टेक 0.44 फीसदी गिरकर 2,176.80 रुपये पर आ गया।

सेंसेक्स की 30 शेयरों वाली कंपनियों में टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और इंफोसिस प्रमुख रूप से पिछड़ गईं। बीएसई आईटी सूचकांक 1,348.57 अंक या 3.78 प्रतिशत गिरकर 34,293.59 पर बंद हुआ।

वृद्धों के लिये उजाला बना सुप्रीम कोर्ट का फैसला

देश ही नहीं, दुनिया में वृद्धों के साथ उपेक्षा, दुर्व्यवहार, प्रताड़ना, हिंसा तो बढ़ती ही जा रही है, लेकिन अब बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला दिया है। अपने इस महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता-पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिया गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। क्योंकि सोच के इस गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए सराहनीय पहल की है जिसमें कहा गया था कि अगर गिफ्ट डीड में स्पष्ट रूप से शर्तें नहीं हैं, तो माता-पिता की सेवा न करने के आधार पर गिफ्ट डीड को रद्द नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने कानून का 'सख्त दृष्टिकोण' अपनाया, जबकि कानून के वास्तविक उद्देश्य को पूरा करने के लिए उदार दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता थी। यह फैसला एक महिला की उस याचिका पर आया जिसमें उसने अपने बेटे के पक्ष में की गई गिफ्ट डीड को रद्द करने की मांग की थी क्योंकि बेटे ने उसकी देखभाल करने से इनकार कर दिया था। परिवारों में संपत्ति के विवाद तो पता नहीं कब से चले आ रहे हैं, लेकिन आधुनिक समाज में ये विशेष रूप से बढ़ गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से समाज में बुजुर्ग लोगों की उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता की त्रासदी से उन्हें मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित करने की भूमिका बनेगी ताकि वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है। संवेदनशून्य समाज में इन दिनों कई ऐसी घटनाएं प्रकाश में आई हैं, जब संपत्ति मोह में वृद्धों की हत्या कर दी गई। ऐसे में स्वार्थ का यह नंगा खेल स्वयं अपनों से होता देखकर वृद्धजनों को किन मानसिक आघातों से गुजरना पड़ता होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता। वृद्धावस्था मानसिक व्यथा के साथ सिर्फ सहानुभूति की आशा जोहती रह जाती है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे कई वरिष्ठ नागरिक हैं जिन्हें उनके बच्चे अनदेखा कर देते हैं और संपत्ति हस्तांतरित करने के बाद उन्हें अपने हाल पर छोड़ देते हैं। जस्टिस सीटी रविकुमार और संजय करोल की पीठ ने कहा कि यह अधिनियम एक लाभकारी कानून है जिसका उद्देश्य उन बुजुर्गों की मदद करना है जिन्हें संयुक्त परिवार प्रणाली के कमजोर होने के कारण अकेला छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए इसके प्रावधानों की व्याख्या उदारतापूर्वक की जानी चाहिए, न कि संकीर्ण अर्थों में। पहले परिवार से किसी भी मनुष्य की पहचान जुड़ी होती थी, इसलिए लोग परिवार से जुड़े रहते थे। अब उसकी पहचान उसकी कार या कपड़ों के ब्रांड आदि भौतिकतावादी चीजों से होती है। यह भौतिकवाद की मृगतृष्णा इंसान की सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक पहचान पर हावी हो गई है, बल्कि अब तो संस्कृति और आध्यात्मिकता भी उपभोक्ता वस्तु की तरह बाजार में हैं। एक बड़ी समस्या भारत जैसे देशों में है, जो इस दौड़ में शामिल हो गए हैं, पर इतने समृद्ध नहीं हुए हैं कि इस जीवनशैली को आसानी से अपना सकें। भारत में परिवार के सदस्यों में परस्पर दूरियां लगातार बढ़ रही हैं। भूमि संबंधी विवाद भाई-भाई के बीच होते-होते अब पिता-पुत्र के बीच भी होने लगे हैं और मामला हत्या तक पहुंच जाता है। ताजा मामला भी संपत्ति विवाद का ही है। आज के बेटों को पुश्तैनी संपत्ति का लाभ तो चाहिए, पर पिता-माता के साथ रिश्ते अच्छे रखना उनकी प्राथमिकता नहीं है। ऐसे में, कई माता-पिता भी अपनी संतानों को बेदखल करने के लिए मजबूर हो जाते हैं। यह वक्त है, जब हमें जानना होगा कि अपने लोगों से संबंध और संवाद ही जीवन को सार्थक बनाता है। हमें अपने रिश्तों का दायरा इतना तो जरूर बढ़ाना चाहिए, जिसमें कम से कम अपना निकटतम परिवार पूरी तरह से शामिल हो जाए।नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्राय: जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं वृद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट की संवेदनशीलता वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति पर विराम देने का काम करेंगी।

इसलिए ईश्वर को प्रकाश के रूप में बताया जाता है

हमें हमेशा ईश्वर को प्रकाश के रूप में बताना होता है, क्योंकि प्रकाश से आप देखते हैं, प्रकाश से हर चीज स्पष्ट होती है। लेकिन जब आपका अनुभव बुद्धि की सीमाओं को पार करना शुरू करता है, तब हम ईश्वर को अंधकार के रूप में बताने लगते हैं। आप मुझे यह बताएं कि इस अस्तित्व में कौन ज्यादा स्थायी है? कौन अधिक मौलिक है, प्रकाश या अंधकार? निश्चित ही अंधकार। शिव अंधकार की तरह सांवले हैं। क्या आप जानते हैं कि शिव शाश्वत क्यों हैं? क्योंकि वे अंधकार हैं। वे प्रकाश नहीं हैं। प्रकाश बस एक क्षणिक घटना है। अगर आप अपनी तर्क-बुद्धि की सीमाओं के अंदर जी रहे हैं तब हम आपको ईश्वर को प्रकाश जैसा बताते हैं। अगर आपको बुद्धि की सीमाओं से परे थोड़ा भी अनुभव हुआ है, तो हम ईश्वर को अंधकार जैसा बताते हैं, क्योंकि अंधकार सर्वव्यापी है। अंधकार की गोद में ही प्रकाश अस्तित्व में आया है। वह क्या है जो अस्तित्व में सभी चीजों को धारण किए हुए है? यह अंधकार ही है। प्रकाश बस एक क्षणिक घटना है। इसका स्रोत जल रहा है, कुछ समय के बाद यह जलकर खत्म हो जाएगा। चाहे वह बिजली का बल्ब हो या सूरज हो। एक कुछ घंटों में जल जाएगा, तो दूसरे को जलने में कुछ लाख साल लगेंगे, लेकिन वह भी जल जाएगा। तो सूर्य से पहले और सूर्य के बाद क्या है? क्या चीज हमेशा थी और क्या हमेशा रहेगी? अंधकार। वह क्या है जिसे आप ईश्वर कहते हैं? वह जिससे हर चीज पैदा होती है, उसे ही तो आप ईश्वर के रूप में जानते हैं। अस्तित्व में हर चीज का मूल रूप क्या है? उसे ही तो आप ईश्वर कहते हैं। अब आप मुझे यह बताएं कि ईश्वर क्या है, अंधकार या प्रकाश? शून्यता का अर्थ है अंधकार। हर चीज शून्य से पैदा होती है। विज्ञान ने आपके लिए यह साबित कर दिया है। और आपके धर्म हमेशा से यही कहते आ रहे हैं -ईश्वर सर्वव्यापी है। और केवल अंधकार ही है जो सर्वव्यापी हो सकता है। प्रकाश का अस्तित्व बस क्षणिक है, प्रकाश बहुत सीमित है, और खुद जलकर खत्म हो जाता है, लेकिन चाहे कुछ और हो या न हो, अंधकार हमेशा रहता है। लेकिन आप अंधकार को नकारात्मक समझते हैं। हमेशा से आप बुरी चीजों का संबंध अंधकार से जोड़ते रहे हैं। यह सिर्फ आपके भीतर बैठे हुए भय के कारण है। आपकी समस्या की यही वजह है। यह सिर्फ आपकी समस्या है, अस्तित्व की नहीं। अस्तित्व में हर चीज अंधकार से पैदा होती है। प्रकाश सिर्फ कभी-कभी और कहीं-कहीं घटित होता है। आप आसमान में देखें, तो आप पाएंगे कि तारे बस इधर-उधर छितरे हुए हैं और बाकी सारा अंतरिक्ष अंधकार है, शून्य है, असीम और अनन्त है।

ज्योतिष के मुताबिक व्रत रखने से मिलता है फल

सनातन धर्म में सप्ताह के सारे दिन किसी न किसी भगवान को समर्पित हैं। जिस तरह से सोमवार का दिन भगवान शिवजी का और मंगलवार का दिन हनुमान जी का है। उसी तरह से बुधवार को भगवान गणेश की पूजा की जाती है और उनके लिए व्रत रखा जाता है। ज्योतिषियों के मुताबिक व्रत रखने से भगवान खुश होते हैं। आज हम आपके लिए लाए हैं बुधवार के व्रत की कथा। व्रत रखने वाले लोगों को इस दिन यह कथा सुननी होती है। प्राचीन काल की बात है एक व्यक्ति अपनी पत्नी को लेने के लिए ससुराल गया। कुछ दिन अपने ससुराल में रुकने के बाद व्यक्ति ने अपने सास-ससुर से अपनी पत्नी को विदा करने को कहा लेकिन सास-ससुर ने कहा कि आज बुधवार है और इस दिन हम गमन नहीं करते हैं। लेकिन व्यक्ति ने उनकी बात को मानने से साफ इनकार कर दिया। आखिरकार लड़की के माता-पिता को अपने दामाद की बात माननी पड़ी और अपनी बेटी को साथ भेज दिया। रास्ते में जंगल था, जहां उसकी पत्नी को प्यास लग गई। पति ने अपना रथ रोका और जंगल से पानी लाने के लिए चला गया। थोड़ी देर बाद जब वो वापस अपनी पत्नी के पास लौटा तो देखकर हैरान हो गया कि बिल्कुल उसी के जैसा व्यक्ति उसकी पत्नी के पास रथ में बैठा था। ये देखकर उसे गुस्सा आ गया और कहा कि कौन है तू और मेरी पत्नी के पास क्यों बैठा है। लेकिन दूसरे व्यक्ति को जवाब सुनकर वो हैरान रह गया। व्यक्ति ने कहा कि मैं अपनी पत्नी के पास बैठा हूं। मैं इसे अभी अपने ससुराल से लेकर आया हूं। अब दोनों व्यक्ति झगड़ा करने लगे। इस झगड़े को देखकर राज्य के सिपाहियों ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। यह सब देखकर व्यक्ति बहुत निराश हुआ और कहा कि हे भगवान, ये कैसा इंसाफ है, जो सच्चा है वो झूठा बन गया है और जो झूठा है वो सच्चा बन गया है। ये कहते है कि फिर इसके बाद आकाशवाणी हुई कि 'हे मूर्ख आज बुधवार है और इस दिन गमन नहीं करते हैं। तूने किसी की बात नहीं मानी और इस दिन पत्नी को ले आया।' ये बात सुनकर उसे समझ में आया की उसने गलती कर दी। इसके बाद उसने बुधदेव से प्रार्थना की कि उसे क्षमा कर दे। इसके बाद दोनों पति-पत्नि नियमानुसार भगवान बुध की पूजा करने लग गए। ज्योतिषियों के मुताबिक जो व्यक्ति इस कथा को याद रखता उसे बुधवार को किसी यात्रा का दोष नहीं लगता है और उसे सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। बुधवार के दिन अगर कोई व्यक्ति किसी नए काम की शुरुआत करता है तो उसे भी शुभ माना जाता है।

भगवान राम के आलौकिक ये कार्य

हिंदू धर्म में भगवान राम को विष्णु का अवतार माना गया है। इनके बारे में कई ग्रंथ लिखे गए. रामचरितमानस में भगवान राम की महिमा को जो वर्णन मिलता है। वह सभी के दिलों को छू लेता है। क्याक आप जानते हैं विष्णु जी के सातवें अवतार श्री राम ने मर्यादा की स्थापना और अपनी मां कैकेयी की इच्छौपूर्ति के लिए राजगद्दी छोड़ दी थी और वनवास स्वीकार किया था। इसलिए ही श्री राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है।

श्री राम के जीवनकाल को महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत महाकाव्य रामयण में वर्णित किया है। राम पर तुलसीदास ने भी रामचरितमानस रचा है। राम के अलौकिक कार्यों को वाल्मीकि ने रामायण महाकाव्यन में संस्कृत में वर्णित किया, जिसे तुलसीदासजी ने रामचरितमानस नाम से अवधि में रचा।

कहा जाता है कि भगवान राम का जन्म मनु के 10 पुत्रों में से एक पुत्र इक्ष्वाकु के कुल में हुआ था।

चैत्र नवमी को भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ था। इसी उपलक्ष्य में चैत्र नवमी को रामनवमी के रूप में भी जाना जाता है।

ऐसा भी कहा जाता है कि माता सीता की रावण से रक्षा करने जाते समय रास्तेज मंत आए समुद्र को पार करने के लिए भगवान राम ने एकादशी का व्रत किया था।

माना जाता है कि भगवान राम ने रावण को युद्ध में परास्ती करने के बाद रावण के छोटे भाई विभीषण को लंका का राजा बना दिया था।

पुराणों में कहा गया है कि माता कैकेयी के कहे अनुसार वनवास जाते समय भगवान राम की आयु 27 वर्ष थी।

राम-रावण के युद्ध के समय इंद्र देवता ने श्री राम के लिए दिव्य रथ भेजा था। इसी में बैठकर भगवान राम ने रावण का वध किया था।

राम-रावण का युद्ध खत्म न होने पर अगस्त्य मुनि ने राम से आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करने को कहा था।

अरण्यो नामक राजा ने रावण को श्राप दिया था कि मेरे वंश से उत्पन्न युवक तेरी मृत्यु का कारण बनेगा। इन्ही के वंश में श्री राम ने जन्म लिया था। यह भी कहा जाता है कि गौतम ऋषि ने अपनी पत्नी अहिल्या को पत्थर बनने का श्राप दिया था।

ग्रहों का जीवन के साथ ही व्यवहार पर भी पड़ता है प्रभाव

ग्रहों का व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ व्यवहार पर भी सीधा प्रभाव पड़ता है। हमारा व्यवहार हमारे ग्रहों की स्थितियों से संबंध रखता है या हमारे व्यवहार से हमारे ग्रहों की स्थितियां प्रभावित होती हैं। अच्छा या बुरा व्यवहार सीधा हमारे ग्रहों को प्रभावित करता है। ग्रहों के कारण हमारे भाग्य पर भी इसका असर पड़ता है। कभी-कभी हमारे व्यवहार से हमारी किस्मत पूरी बदल सकती है।

वाणी-

वाणी का संबंध हमारे पारिवारिक जीवन और आर्थिक समृद्धि से होता है।

खराब वाणी से हमें जीवन में आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ता है।

कभी-कभी आकस्मिक दुर्घटनाएं घट जाती हैं।

कभी-कभी कम उम्र में ही बड़ी बीमारी हो जाती है।

वाणी को अच्छा रखने के लिए सूर्य को जल देना लाभकारी होता है।

गायत्री मंत्र के जाप से भी शीघ्र फायदा होता है।

आचरण-कर्म

हमारे आचरण और कर्मों का संबंध हमारे रोजगार से है।

अगर कर्म और आचरण शुद्ध न हों तो रोजगार में समस्या होती है।

व्यक्ति जीवन भर भटकता रहता है।

साथ ही कभी भी स्थिर नहीं हो पाता।

आचरण जैसे-जैसे सुधरने लगता है, वैसे-वैसे रोजगार की समस्या दूर होती जाती है।

आचरण की शुद्धि के लिए प्रात: और सायंकाल ध्यान करें।

इसमें भी शिव जी की उपासना से अद्भुत लाभ होता है।

जिम्मेदारियों की अवहेलना

जिम्मेदारियों से हमारे जीवन की बाधाओं का संबंध होता है।

जो लोग अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं उठाते हैं उन्हें जीवन में बड़े संकटों, जैसे मुक़दमे और कर्ज का सामना करना पड़ता है।

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है। लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का। श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यों से उत्पन्न होती है।

इस माह में पड़ने वाले प्रमख त्यौहार

अप्रैल माह में हिंदू धर्म के कई प्रमुख और बड़े व्रत-त्यौहार आते हैं। इस कारण तीज-त्यौहार के लिहाज से अप्रैल का महीना अत्यंत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। इस माह में राम नवमी, हनुमान जयंती से लेकर अक्षय तृतीया जैसे बड़े व्रत-त्यौहार आएंगे।

वहीं चैत्र नवरात्रि का समापन भी अप्रैल में ही होगा। अप्रैल महीने से ही वैशाख माह की भी शुरुआत होती है। वैशाख माह हिंदू कैलेंडर का दूसरा महीना होता है।

राम नवमी- 6 अप्रैल

चैत्र नवरात्र की नवमी तिथि को राम नवमी के रूप में भी मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रामनवमी का महत्व इस वजह से है कि इस दिन भगवान राम का जन्म हुआ था। यह त्योहार भगवान राम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। राम नवमी के दिन पूजा-पाठ करने से घर में सुख-शांति आती है और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। राम नवमी के दिन व्रत रखने की भी मान्यता है। राम नवमी के दिन राम रक्षा स्रोत का अनुष्ठान करने से सुखी व शांत गृहस्थ जीवन, रक्षा और सम्मान प्राप्त होता है।

चैत्र नवरात्रि पारण- 7 अप्रैल

कामदा एकादशी- 8 अप्रैल

प्रदोष व्रत- 10 अप्रैल

हनुमान जयंती- चैत्र पूर्णिमा- 12 अप्रैल

हनुमान जयंती 12 अप्रैल को मनाई जाएगी। हर साल चैत्र पूर्णिमा पर बजरंगबली का जन्मोत्सव मनाया जाता है। हनुमान जयंती की दिन बजरंगबली की विधि विधान के साथ पूजा की जाती है। इस दिन सुंदरकांड का पाठ करना भी विशेष महत्व रखता है। हनुमान जयंती के दिन बजरंगबली की पूजा-अर्चना करने भक्तों के सभी दुख-दर्द मिट जाते हैं। साथ ही उनके हर कार्य बिना बाधा के पूरी हो जाती है।

वैशाख माह का आरंभ- 13 अप्रैल

विकट संकष्टी चतुर्थी- 16 अप्रैल

वरुथिनी एकादशी- 24 अप्रैल

प्रदोष व्रत- 25 अप्रैल

मासिक शिवरात्रि- 26 अप्रैल

परशुराम जयंती- 29 अप्रैल

अक्षय तृतीया- 30 अप्रैल

विद्यालय और कक्षा से दूरी नहीं बनायें विद्यार्थी- मंत्री श्री पटेल

केरपानी में आयोजित शाला उत्सव कार्यक्रम में हुए शामिल मंत्री श्री पटेल

• साधना एक्सप्रेस, करेली

करेली -- स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत तीसरे दिन गुरुवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला केरपानी में शाला उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन व दीप प्रज्जवलन कर किया। उन्होंने बच्चों को प्रेरणादायी बातें बताई और उनका हौसला अफजाई किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर उनके जीवन के लक्ष्य के बारे में जाना और उन्हें कहा कि मन में कोई जिज्ञासा नहीं रखें। सवाल पूछने की आदत अपने जीवन में शामिल करें। मंत्री श्री पटेल व अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकों का वितरण किया इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया व उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, पं. रामसनेही पाठक, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल व्यौहार, डीपीसी, बीईओ, अन्य अधिकारी- कर्मचारी, विद्यार्थी, उनके माता- पिता, अभिभावक और ग्रामीणजन मौजूद थे मंत्री

श्री पटेल ने सभी नवप्रवेशी बच्चों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि स्कूल चलें हम अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था, इसलिए ग्रामीण क्षेत्र के इस स्कूल को चुना। पहले यह छुट्टियों का समय हुआ करता था। जुलाई से विद्यालय प्रारंभ होते थे। अब समय बदल चुका है। समय के साथ हुये परिवर्तन को हमें स्वीकारना चाहिये। मंच से मंत्री श्री पटेल ने बताया कि विद्यालय में दर्ज संख्या के अनुसार कई विद्यार्थी आज नहीं आये हैं। उनके नहीं आने का कारण भी हमें जानकर इस पर विचार करना होगा। उन्होंने माता- पिता और अभिभावकों से आग्रह किया कि बच्चों को फसल कटाई के कार्य में नहीं शामिल करें। यह समय उनके जीवन में फिर कभी नहीं आने वाला। बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जायें और कक्षाओं में अध्ययन करें। आपको हर त्यौहार मनाने मिलेंगे। इस मामले में स्वयं को भाग्यशाली मानते हुए मंत्री श्री पटेल ने अपने छात्र जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि उनके पिताजी ने हमेशा पढ़ाई और खेलों को बराबर महत्व दिया है। कभी जब अखाड़े या फुटबॉल के मैदान में खेलने नहीं जाता था, तो पिताजी और मेरे गुरू टोका करते थे। इस टोकने की प्रवृत्ति को हमें अन्यथा नहीं लेना चाहिये। यह बच्चों की बेहतरी के लिए है। मंत्री श्री पटेल ने विद्यार्थियों से संवाद के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी को कैरियर काउंसलिंग के सत्र आयोजित करने के निर्देश भी दिये मंत्री श्री पटेल ने कहा कि वे केन्द्र में मंत्री पद पर रहे और अभी प्रदेश सरकार में मंत्री पद पर है, लेकिन इस दौरान उन पर कभी कोई आरोप नहीं लगा। जीवन की सफलता यही है कि आप पर कभी कोई उंगली न उठायें। आप सभी संकल्प लें कि आप अपने जीवन को बेहतर बनाकर गांव व समाज का नाम रोशन करेंगे। हम नर्मदा तट पर रहने वाले लोग हैं। न जाने कितने परिक्रमावासी प्रतिदिन यहां से गुजरते हैं। हम सिर्फ उनके भोजन व विश्राम की जरूरतें पूरी करते हैं। आप इन परिक्रमावासियों से जब भी मिले, तो उनसे उनके जीवन के अनुभव और उनकी इस यात्रा के बारे में अवश्य जानें। हम यह नहीं जानते कि कौन व्यक्ति परिक्रमावासी के रूप में आया है और वह क्या करता है।

अपने गुरू परमपूज्य श्रीश्री बाबा श्री के कथन 'रेखायें देशों की बीच हमने खीचीं हैं यह धरती एक ही है' का भी जिक्र उन्होंने किया कलेक्टर श्रीमती पटले ने भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए सपने देखने और उन्हें पूरा करने की बात कही। इस दौरान उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन और संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा के दौरान आई चुनौतियों और उनका सामना कर कलेक्टर बनने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें देते हुए कहा कि दृढ़ इच्छा शक्ति और आत्मविश्वास के साथ प्रयास करते रहें। मंजिल निश्चित तौर पर आपको मिलेगी।

एनएसएस के स्वयंसेवको ने गांव में चलाया जागरूकता अभियान

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा शहर में स्थित पेंटियम प्वाइंट ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट द्वारा संचालित पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज करहिया की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गोद ग्राम हरदी में विशेष शिविर का शुभारंभ 29 मार्च से प्रारंभ किया गया।महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा सप्त दिवसीय शिविर का समापन दिनांक 4 अप्रैल 2025 को होना है,महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित इस शिविर में 50 बालक तथा 50 बालिका स्वयंसेवकों द्वारा दिनांक 29 मार्च से विभिन्न गतिविधियां मे सहभागिता दर्ज की जा रही है।राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के उद्देश्यों और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए स्वयंसेवकों द्वारा कार्य किया जा रहा है

इस शिविर के उद्घाटन अवसर पर पेंटियम प्वाइंट ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के मुख्य प्रबंध संचालक बी एन त्रिपाठी,शैक्षणिक संचालक एस के त्रिपाठी,डॉ सीमा शुक्ला प्राचार्या पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज उपस्थित रहे।अतिथियों द्वारा मां सरस्वती तथा युवाओं के प्रेरणापुंज स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ इस शिविर का प्रारंभ हुआ। शिविर का प्रतिवेदन तथा विस्तृत जानकारी शिविर के कार्यक्रम अधिकारी डॉ राकेश तिवारी द्वारा प्रस्तुत किया गया। उपस्थित अतिथियों ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा निस्वार्थ भाव से होना चाहिए,सेवा में किसी प्रकार का स्वार्थ नहीं चाहिए,यही राष्ट्रीय सेवा योजना में रहकर छात्र सीखता है।अनुशासन, स्वावलंबन,अपने लक्ष्य का निर्धारण,समाज सेवा से व्यक्तित्व विकास,ग्रामीण परिवेश में रहकर जीवन यापन करना,अपना काम स्वयं करना,आदि गुणों का विकास स्वयंसेवकों राष्ट्रीय सेवा योजना में होता है। छात्र जीवन में सभी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए क्योंकि गतिविधियों से बहुत कुछ सीखने को मिलता है और यही अनुभव जीवन में काम आता है। सत्र का प्रारंभ पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका विषय पर प्राचार्या डॉ सीमा शुक्ला के संबोधन से प्रारंभ हुआ। उन्होंने स्वयं सेविकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना हमें हमारे समाज को जानने और कार्य करने के लिए अवसर देता है।कठिन परिश्रम सफलता का आधार है, यह शिविर समाज का प्रतिनिधित्व करता है।सहयोग की भावना विकसित करता है साथ ही सामंजस्य स्थापित करने की प्रेरणा देता है।प्रतिभा को निखारने का अवसर देता है।गोद ग्राम में स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता तथा शासन के जागरूकता जैसे विशेष कार्यक्रमों के द्वारा ग्रामीणों को जागरूक किया गया।इस शिविर में एनएसएस शिविर प्रभारी पुरुष डॉ.राकेश तिवारी एनएसएस शिविर प्रभारी महिला डॉ.सपना त्रिवेदी साथ ही महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ अर्चना पटेल,गिरीश भाई पटेल,हिमांशु पाण्डेय,अवधेश शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय मनगवां में सेशनल परीक्षा के नाम पर पैसों के वसूली का खेल हुआ शुरू

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा। जहां एक तरफ मोहन सरकार उच्च शिक्षा में सुधार का प्रयास लगातार कर रही है वहीं दूसरी तरफ शासकीय महाविद्यालय मनगवा में पैसा वसूली का खेल लगातार चल रहा है पूर्व में भी महाविद्यालय में कई भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं ऐसे में एक नया मामला सामने आया है जिसमें छात्रों को कॉलेज से एक ग्रुप मैसेज भेजा गया है जिसमें कहा गया है कि सेशनल परीक्षा जिन छात्रों ने नहीं दी है वह 100 जमा करके अपनी सेशनल परीक्षा दे

चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी पैसों के साथ छात्रों की सेशनल परीक्षा कराएंगे

शासकीय महाविद्यालय मंगला में शिक्षा को कैसे मजाक कर बनाकर रखा गया है आप इस बात से ही समझ सकते हैं कि मैसेज में लिखा गया है कि जिन छात्रों के सेशनल परीक्षा छूट गई

है वह चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी श्री विनय सिंह के पास अपनी सीसीई परीक्षा देंगे

गरीब बच्चों को लूटने की फुल है तैयारी

ग्रामीण इलाके से आकर महाविद्यालय में अधिकतर किसान एवं गरीब बच्चे पढ़ते हैं। ऐसी स्थिति में प्रत्येक छात्र से 700 वसूल करने का एक नया तरीका महाविद्यालय द्वारा निकाला गया है अब देखना यह होगा कि उच्च शिक्षा विभाग इनके खिलाफ क्या कार्यवाही करता है जिसने भी इस आदेश को निकाला है उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। शासकीय महाविद्यालय मनगवां में सेशनल परीक्षा के नाम पर छात्रों से अवैध वसूली की खबरें चिंताजनक हैं। यदि छात्रों से 100 की राशि एकत्रित की जा रही है, तो यह नियमों के खिलाफ है, क्योंकि सरकारी महाविद्यालयों में परीक्षा शुल्क पहले से निर्धारित होते हैं और छात्रों से अतिरिक्त शुल्क लेना अवैध है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी द्वारा छात्रों की सेशनल परीक्षा आयोजित करने का मामला और भी गंभीर है। शैक्षणिक कार्यों और परीक्षाओं का संचालन योग्य और अधिकृत शिक्षण कर्मचारियों द्वारा ही किया जाना चाहिए, न कि गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के माध्यम से।

ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों से अतिरिक्त शुल्क वसूलने की प्रवृत्ति उनकी शिक्षा में बाधा डाल सकती है। सरकारी संस्थानों का उद्देश्य सभी छात्रों को समान अवसर प्रदान करना है, न कि उन्हें आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित करना। उच्च शिक्षा विभाग को इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और छात्रों का शैक्षणिक माहौल सुरक्षित रहे।

» जिला स्तर पर सर्वे कराकर विकसित करें कार्य योजना, जनप्रतिनिधियों का भी लें अभिमत

अगले तीन वर्ष में प्रदेश की सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ा जाए: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री जन-मन योजना में मध्यप्रदेश ने बनाई देश की पहली सड़क

सड़कों के संधारण और उन्नयन में भारत सरकार से प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने में मध्यप्रदेश देश में प्रथम

राज्य में विकसित ई-मार्ग पोर्टल भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किया गया लागू

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की समीक्षा

भोपाल● एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के सुगम आवागमन और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए प्रदेश की शत-प्रतिशत बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर कार्रवाई करें। सभी जिलों में सड़कों की आवश्यकता का वैज्ञानिक आधार पर सर्वे सुनिश्चित कर कार्य-योजना बनाई जाए। सड़कों की आवश्यकता के संबंध में विधायकों

और पंचायत प्रतिनिधियों का अभिमत अवश्य लिया जाए। राज्य सरकार अगले तीन वर्ष में सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रह्लाद पटेल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि, बाढ़ तथा अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत और उनके उन्नयन की आवश्यकता के प्रति सतर्क रहते हुए तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जाए। सड़कों के रख-रखाव और नियमित निरीक्षण में मोबाइल एप, जियो टैगिंग तथा एआई टेक्नॉलोजी का उपयोग कर इसे अधिक प्रभावी बनाया जाए। सड़कों पर वर्तमान यातायात का सर्वे कर उन्नयन और लेन विस्तारीकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत पाण्डाटोला से बीजाटोला तक देश की पहली सड़क का निर्माण बालाघाट जिले के परसवाड़ा क्षेत्र में किया गया है। सड़कों के संधारण और उन्नयन के लिए भारत सरकार से प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने में प्रदेश, देश में प्रथम रहा है। प्रदेश में मार्गों के संधारण के लिए वर्ष 2015-16 से लागू ई-मार्ग पोर्टल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई तथा केन्द्र सरकार द्वारा इसे सम्पूर्ण देश में नेशनल ई-मार्ग के रूप में लागू किया गया है।बताया गया कि प्रदेश की 89 हजार बसाहटों में से 50 हजार 658 बसाहटों तक रोड़ कनेक्टिविटी सुनिश्चित कर ली गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 के अंतर्गत बनने वाली 11 हजार 544 बसाहटों के लिए सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष 26 हजार 798 बसाहटों की कनेक्टिविटी के लिए राज्य सरकार द्वारा पहल की जा रही है। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि सामान्य संधारण कार्यों का प्राक्कलन तैयार करने और तकनीकी प्रशासकीय स्वीकृति आदि की ऑनलाइन व्यवस्था सम्वेग पोर्टल के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है।

प्रदेश सरकार किसानों की सरकार है - मंत्री श्रीमती उइके

» 8 करोड़ के संयुक्त तहसील भवन का किया लोकार्पण

भोपाल● एजेंसी

प्रदेश सरकार किसानों की सरकार है। किसानों के हितार्थ कई योजनाएं संचालित कर उन्हें लाभ प्रदान किया जा रहा है। वहीं, उनकी खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए सरकार दृढ़ संकल्पित है। यह बात लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं सिंगरौली जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने संयुक्त तहसील दुधमनिया में 8 करोड़ की लागत से निर्मित भवन के लोकार्पण अवसर पर कही। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह भी उपस्थित थीं।

मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि इस संयुक्त भवन के निर्माण से अब 65 गांवों के लोगों को लाभ प्राप्त होगा। प्रदेश सरकार द्वारा किसानों एवं आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिये साइबर तहसील, लोक सेवा गारंटी लागू कर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जहां गरीबों के लिए आवास स्वीकृत किए जा रहे हैं ,वहीं किसानों के लिए सम्मान निधि प्रदान की जा रही है।

मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि महिलाओं के सम्मान को बढ़ाने के लिए 'लाड़ली बहना योजना' चलाई जा रही है, जिसके माध्यम से आर्थिक सहायता देकर महिलाओं का

सशक्तिकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में क्षेत्र के विकास के लिए कॉलेज एवं अस्पताल खोले जाएंगे। सरकार प्रवेश उत्सव के माध्यम से बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। 1 अप्रैल से 4 अप्रैल तक 'स्कूल चले हम' अभियान चलाया जा रहा है। हमें बेटा-बेटी के बीच का अंतर समाप्त करना है और बेटियों को भी बेटों की तरह शिक्षा का अधिकार देना है। कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी अपने बच्चों का विद्यालय में प्रवेश दिलाएं।राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार आदिवासी बहुल्य क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सतत प्रयासरत है। विकास के कई कार्य संचालित होंगे। साथ ही, किसानों एवं नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए कई योजनाएं और सुविधाएं दी जा रही हैं। आने वाले समय में दुधमनिया में भी महाविद्यालय प्रारंभ कराने का प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक सिंगरौली राम निवास शाह, विधायक देवसर राजेंद्र मेश्राम, विधायक धौहनी कुवर सिंह टेकाम, विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक, महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष सोनम सिंह, प्राधिकरण अध्यक्ष दिलीप शाह, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय, श्री सुंदरलाल शाह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अर्चना सिंह, पूर्व विधायक अमर सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष सिया दुलारी सहित वरिष्ठ समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

गेहूँ उपार्जन के लिये किसान अब 9 अप्रैल तक करा सकते हैं पंजीयन - मंत्री श्री राजपूत

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि किसानों के हित में रबी विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये पंजीयन की अवधि 9 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में पंजीयन की अवधि 31 मार्च 2025 तक निर्धारित की गई थी।मंत्री श्री राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि जिन किसानों ने अभी तक पंजीयन नहीं करवाया है, वे 9 अप्रैल तक गेहूँ उपार्जन के लिये पंजीयन जरूर करायें। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। उल्लेखनीय है कि गेहूँ उपार्जन के लिये 31 मार्च तक 15 लाख 9 हजार 324 किसान पंजीयन करा चुके हैं। गेहूँ का उपार्जन भी जारी है।

शा.हाई स्कूल कादमपुर में मनाया प्रवेशोत्सव

सीहोर। मंगलवार, 2 मार्च को शासकीय हाई स्कूल कादमपुर में भूपेन्द्र दिक्षित (मु.न.पा.अधि.) के मुख्य आतिथ्य में स्कूल चले हम अभियान के अन्तर्गत प्रवेशोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं शाला प्राचार्य द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसी तारतम्य में उपस्थित बच्चों को तिलक लगाकर पाठ्य पुस्तकें एवं सभी को 100-100 रूपये प्रोत्साहन राशि मुख्य अतिथि द्वारा प्रदान किये गये। तत्पश्चात अतिथियों, प्राचार्य, समस्त स्टाफ एंव बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य श्रीमती हिरोन्दा परते मेडम द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद उद्बोधन किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698